तापमान
अधिकतम 34.0 डिग्री
न्यूनतम 13.3 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि
रोहतक, रविवार 15 मार्च 2026

10 रंगारंग प्रस्तुतियों से छात्रों ने बटोरी खूब तालियां

10 अंबालाः लोक अदालत में 23536 केसों का निपटान...

सिलेंडर की किल्लत के चलते लोग दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर

दिव्यांग भी गैस के लिए लाइनों में ब्लैक में 2000 का बिक रहा सिलेंडर

ओटीपी 25 दिनों में आने का नियम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

कस्बा रादौर में बढ़ती गैस सिलेंडर की भारी किल्लत के चलते लोगों को दर दर की ठोकरे खानी पड़ रही है। जिससे क्षेत्र के लोगों को सिलेंडर लेकर आते जाते हुए देखा जा सकता है। गैस सिलेंडर की भारी दिक्कत के चलते दिव्यांग भी सिलेंडर भरवाने की लाइन में पीछे नहीं है। स्थानीय निवासी सुरेश, रमेश, कुलबीर, नीलाराम, मुकेश आदि ने बताया कि गैस सिलेंडर को लेकर क्षेत्र में भारी दिक्कत चल रही है। सिलेंडरो की किल्लत कालाबाजारी के कारण हो रही है। ब्लैक में गैस सिलेंडर 1500 से 2000 रूपये में बिक रहे है। यदि कोई गैस एजेंसी में सिलेंडर लेने जाता है, तो उसको ओटीपी के चक्कर में उलझा दिया जाता है। सरकार की ओर से ओटीपी 25 दिनों में आने का नियम है। लेकिन एजेंसी की ओर से 30 दिनो के बाद ओटीपी दिया जा रहा है। जिससे उनको भारी दिक्कत हो रही है। शहर की औड कॉलोनी निवासी दिव्यांग राम स्वरूप ने बताया कि वह गैस सिलेंडर को भरवाने एजेंसी गया था जहां से उनको खाली हाथ ही लौटना पड़ा। उन्होंने प्रदेश सरकार से मांग की कि प्रदेश सरकार गैस सिलेंडरो की कालाबाजारी पर लगाम लगाकर उनको सिलेंडर उपलब्ध करवाने का काम करे।

गैस सिलेंडरों की आपूर्ति सामान्य : तजेंद्र गोल्डी

कुरुक्षेत्र। भाजपा जिला अध्यक्ष तजेंद्र सिंह गोल्डी ने कहा कि देश और प्रदेश में एलपीजी गैस सिलेंडरों की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और घरेलू गैस की कोई कमी नहीं है, कांग्रेस पार्टी अफवाह फैला रही है। उन्होंने उपभोक्ताओं से शांति बनाए रखने और झूठे व भ्रामक प्रचार से बचने की अपील की। तजेंद्र गोल्डी ने कहा कि पीएम मोदी और पेट्रोलियम मंत्रालय ने भी आश्वस्त कर दिया है कि देश में पेट्रोलियम उत्पादों का पर्याप्त भंडार मौजूद है हरियाणा की नायब सरकार ने भी जनता को भरोसा दिया है कि घरों में गैस सिलेंडर की कोई कमी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि सरकार के पास पर्याप्त स्टॉक है, लेकिन बारें विपक्ष के लोग जनता को भ्रमित कर रहे हैं। विपक्षी पार्टियों के लोग सोशल मीडिया पर झूठ फैला रहे हैं। जिला मीडिया प्रभारी ललित माटा ने कहा कि कांग्रेस की फितरत देश को अपमानित करना और लोगों को भ्रम में डालना है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति को प्राथमिकता दे रही है। कहा कि कांग्रेस शासन को लोग भूले नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन में गैस कनेक्शन के लिए लोगों को वर्षों तक इंतजार करना पड़ता था। गैस गोदामों पर लंबी-लंबी लाइनें लगी रहती थी।

एलपीजी गैस के लिए आप व वामपंथियों का प्रदर्शन

पानीपत। घरेलू व व्यावसायिक एलपीजी गैस की लगातार बढ़ती किल्लत को लेकर शनिवार को आम आदमी पार्टी द्वारा बबैल रोड स्थित छोटू राम चौक पर प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष व प्रवक्ता सुरेंद्र अहलावत के नेतृत्व में जोरदार प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन में आप नेता अजय सिंगला, सुखवीर मलिक, जिलाध्यक्ष जसवीर जस्सा कादयान, डॉ नरेंद्र जेसिया, योगेश कौशिक, मनीष रोड़, जितेंद्र जुनेजा ने भाग लिया। प्रदर्शनकारियों ने केंद्र व प्रदेश सरकारों से तुरंत गैस की आपूर्ति सामान्य करने की मांग की। प्रदर्शन में शमशेर भल्ला, जितेंद्र धीमान, मोहित गुप्ता, शामलाल पहाडिय़ा, अंग्रेज मलिक, कुलदीप अहलावत राममेहर मलिक आदि ने भाग लिया। दूसरी ओर, एलपीजी गैस सिलेंडर जनता को सुलभ कराने की मांग को लेकर माकपा, सीटू, अखिल भारतीय किसान सभा ने सनौली रोड पर स्थित इंडेन व भारत गैस एजेंसी के सामने विरोध प्रदर्शन करते हुए प्रधानमंत्री के नाम उपायुक्त के माध्यम से लिखित ज्ञापन पत्र दिया। इस अवसर पर सीटू के राज्य सचिव सुनील दत्त, माकपा के जिला सचिव डॉ.सुरेंद्र मलिक, अखिल भारतीय किसान सभा के जिला सचिव राजपाल गाहल्याण, उप प्रधान दिलावर सिंह राठी, संयुक्त किसान मोर्चा के नेता फौजी रोहतास मलिक, इंडस्ट्रियल वर्कर यूनियन के महासचिव जय भगवान, सीटू नेता नवीन सपरा, निर्मला अहलावत, बंटी व सीमा शर्मा आदि उपस्थित रहे।

पानीपत। जनता को एलपीजी गैस उपलब्ध कराने की मांग को लेकर प्रदर्शन करते हुए आप नेता।

एमएम यूनिवर्सिटी को बंद करने के आदेश, 3000 से ज्यादा छात्र परेशान

- रसोई गैस की किल्लत से मैस बंद, तीन छात्र-छात्राओं पर लगाया जा रहा है जुर्माना

बराड़ा। स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) ने महार्षि मार्कंडेश्वर यूनिवर्सिटी को बंद करने के फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। एसएफआई के प्रदेश प्रधान अक्षय, महासचिव सुखदेव व राज्य कमेटी सदस्य आशिक जॉनसन ने कहा कि ईरान पर अमेरिका-इज़राइल के आक्रमण के कारण ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हुई है, जिससे रसोई गैस की किल्लत पैदा हो गई है। उन्होंने कहा कि इसी कारण जिले की एकमात्र यूनिवर्सिटी एमएम मुलाना प्रशासन ने 13 मार्च से आगामी आदेशों तक यूनिवर्सिटी बंद करने का नोटिस जारी कर दिया है। इसके साथ ही मैस भी बंद कर दी गई है और छात्रों को हॉस्टल खाली करने के लिए कहा गया है। जबकि हॉस्टल में खाना बनाने पर जुर्माना लगाया जाता है। छात्र नेताओं का कहना है कि दूर-दराज व अन्य प्रदेशों से आए तीन हजार से अधिक छात्र-छात्राएं इससे प्रभावित हुए हैं। एक ओर उनकी पढ़ाई बाधित हो गई है तो दूसरी ओर उनके सामने रहने और भोजन की समस्या भी खड़ी हो गई है। उन्होंने कहा कि बढ़ती भीड़ के कारण कई छात्रों को घर जाने के लिए ट्रेन की टिकट भी नहीं मिल पा रही है।

खबर संक्षेप

घर में घुसकर महिला के साथ छेड़छाड़ व मारपीट

यमुनानगर। रादौर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने पिता पुत्र समेत चार लोगों पर घर में घुसकर छेड़छाड़ करने व मारपीट करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले की जांच के बाद चारों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार रादौर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी 58 वर्षीय महिला ने महिला पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि 22 फरवरी को शाम साढ़े छह बजे वह अपने घर पर अकेली थी। इस दौरान उनके गांव के ही सचिन कुमार, उसका पिता करण सिंह, कंवर सिंह व हुकम चंद लज्जा भंग करने की नीयत से उनके घर में घुस गए और उसे पर हमला कर दिया।

शादी का झांसा देकर लड़की को किया अगवा

यमुनानगर। शहर के फरकपुर थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी से युवक शादी का झांसा देकर नाबालिग लड़की को अगवा करके ले गया। पुलिस ने लड़की के परिजनों की शिकायत पर आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार फरकपुर थाना क्षेत्र की एक कालोनी निवासी व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी 17 वर्षीय लड़की 12 मार्च को सुबह 10 बजे किसी काम से घर से बाहर गई थी मगर उसके बाद वापस नहीं लौटी। काफी तलाश करने के बाद भी उसकी लड़की का कुछ भी पता नहीं चला।

सड़क क्रॉस कर रहे व्यक्ति को मारी टक्कर, मौत

यमुनानगर। गांव गनौली के पास सड़क पार कर रहे व्यक्ति को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे व्यक्ति की मौत हो गई। हादसे के बाद अज्ञात वाहन चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार गांव गनौली निवासी राजवीर कुमार ने छछरौली पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि उसका पिता 73 वर्षीय मामचंद 12 मार्च को दोपहर दो बजे किसी काम से जा रहा था।

50 लाख रुपये की धोखाधड़ी में काबू

अंबाला। विदेश भेजने के नाम पर लाखों रूपये हड़पने वाले मामले में पुलिसने संलिप्त एक अन्य आरोपी को कुरुक्षेत्र से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सौरभ नैन उर्फ युवराज नैन निवासी गांव नंदू खेड़ा बीबीपुर कलां कुरुक्षेत्र के रूप में हुई है। पीड़ति महिला की शिकायत पर थाना शहजादपुर में धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया था। महिला ने आरोप लगाया था कि आरोपी ने उसके पति को विदेश भेजने का झांसा देकर 50 लाख रूपये की राशि हड़प ली, न तो उसे विदेश भेजा और न ही उसके पैसे वापिस किए।

सर्विस लेन की मांग को लेकर किसानों के धरना का 36वां दिन

- लिखित आश्वासन के बावजूद निर्माण शुरू न होने पर किसानों में रोष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

गांव सोहाना के पास रिंग रोड पर सर्विस लेन निर्माण की मांग को लेकर भारतीय किसान यूनियन के बैनर तले चल रहा किसानों का धरना शनिवार को 36वें दिन में प्रवेश कर गया। किसानों ने स्पष्ट कहा कि जब तक निर्माण कार्य शुरू नहीं होता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

धरने की अध्यक्षता किसान नेता राम नारायण दहिया ने की। किसानों का कहना है कि प्रशासन ने पहले उनकी मांग को लेकर लिखित रूप में आश्वासन दिया था, लेकिन बाद में उस पर अमल नहीं किया गया। इसी कारण उन्हें आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा। किसानों का कहना है कि सर्विस लेन बनने से आसपास के कई गांवों के लोगों और किसानों को आवाजाही में सुविधा मिलेगी।

इसके बावजूद प्रशासन इस मामले में लगातार टालमटोल कर रहा है। भाकियू के जिला प्रवक्ता सुरेंद्र सांगवान ने कहा कि किसान शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांग को लेकर संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन प्रशासन की अनदेखी के कारण रोष बढ़ता जा रहा है।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

शिव शक्ति इंटर ग्लोबल एक्सपोट्र्स कंपनी के कर्मचारी पर 50 लाख की धोखाधड़ी का आरोप

तरावड़ी। तरावड़ी में स्थित शिव शक्ति इंटर ग्लोबल एक्सपोट्र्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के एक कर्मचारी पर करीब 50 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप सामने आया है। कंपनी की शिकायत पर तरावड़ी थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार कंपनी के एच आर नरेंद्र हरितवल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी कंपनी में कार्यरत कर्मचारी शिव कुमार पुत्र जगदीश निवासी मकान नंबर 1330, गली नंबर 9, नजदीक लाडी करियाणा स्टोर, करनाल कंपनी के खातों से लेन-देन का काम देखता था। आरोप है कि शिव कुमार ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए कंपनी के साथ धोखाधड़ी कर विभिन्न खातों में पैसे ट्रांसफर कर दिए। शिकायत में बताया गया है कि आरोपी ने खाता होल्डर मीनाक्षी, स्वयं शिवकुमार, कमल सैनी, पूनम, के खातों मे करीब 50 लाख रुपये से अधिक की राशि अलग-अलग बैंक खातों में भेज दी। मामले का पता चलने के बाद कंपनी प्रबंधन ने इसकी लिखित शिकायत पुलिस को दी। तरावड़ी थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर धारा 69 व 316(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच सहायक उप निरीक्षक सूरज भान को सौंपी गई है। पुलिस का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है और जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बदमाशों ने गन प्वाइंट पर की 53 हजार रुपये की लूट

- पुलिस की कई टीमें मौके पर पहुंचकर जांच में जुटी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

इस्माईलाबाद में हिसार-चंडीगढ़ नेशनल हाईवे-152 पर एक पेट्रोल पंप से कार में आए बदमाश ने गन प्वाइंट पर 50 हजार रुपए लूट लिए। बदमाश चंडीगढ़ नंबर की स्विफ्ट कार में पेट्रोल भरवाने के बहाने पंप पर आया था। इस वारदात के बाद उसने हाईवे पर शराब के ठेके पर कर्मी से भी 3 हजार रुपए छीने। गुरुनानक पेट्रोलियम पेट्रोल पंप के संचालक सुखविंदर सिंह निवासी तलहेड़ी ने बताया कि उसका एनएच-152 पर मलिकपुर गांव के पास पेट्रोल पंप है। पंप पर सहनप्रीत सिंह और सुखदेव सिंह नौकरी करते हैं। दोनों रात को पंप पर ड्यूटी कर रहे थे। इसी दौरान 13-14 मार्च की रात करीब 2 बजे स्विफ्ट कार में एक युवक पेट्रोल डलवाने आया। पंप कर्मी सहनप्रीत सिंह तेल डालने गया तो ड्राइवर ने अचानक गन निकालकर उस पर तान दी। ड्राइवर ने चुपचाप सारे पैसे हवाले करने और पैसे नहीं देने पर गोली मारने की धमकी दी। आरोपी ड्राइवर सहनप्रीत सिंह को ऑफिस के अंदर ले गया और दरवाजा बंद कर दिया। उसने दोनों को गन से डरा-धमकाकर कैश मांग लिया। डर के मारे सुखविंदर सिंह ने करीब 50 हजार रुपए निकालकर आरोपी के हवाले कर दिए। फिर आरोपी कार में बैठकर मौके से फरार हो गया। उसके जाते ही दोनों कर्मियों ने डायल-112 और पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर पुलिस की कई टीमें घटनास्थल पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू कर दी। इस वारदात के बाद आरोपी हाईवे पर ही शराब के ठेके पर पहुंच गया। यहां भी उसने गन प्वाइंट पर ठेके पर ड्यूटी कर रहे कर्मी से 3 हजार रुपए छीन लिए और कार में बैठकर भाग गया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने जिला अंबाला में भी एक लूटपाट की एक घटना को अंजाम दिया।

गद्दों के गोदाम भीषण आग आग बुझाने के प्रयास में मालिक भी झुलसा

अंबाला। महेश नगर क्षेत्र में शनिवार दोपहर एक गद्दे के गोदाम में भीषण आग लग गई। गोदाम में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। आग बुझाने के प्रयास में दुकानदार का कान झुलस गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। दमकल विभाग की मुस्तैदी से बड़ा हादसा होने से टल गया। यहां के रहने वाले करण की गद्दों की दुकान है और दुकान के ठीक पीछे ही उन्होंने अपना गोदाम बनाया हुआ है। शनिवार को अचानक गोदाम से धुआं और आग की लपटें उठती देख आसपास के दुकानदारों में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। गद्दों में रुई और अन्य ज्वलनशील सामग्री होने के कारण आग तेजी से फैली।पीड़ित दुकानदार करन ने बताया कि सीजन को देखते हुए कुछ दिन पहले ही गोदाम में नया माल मंगवाया गया था। आग इतनी तेजी से फैली कि कीमती सामान निकालने का मौका ही नहीं मिला। प्राथमिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही हो।

साहब मैं तो जिंदा हूं, मेरी पेंशन क्यों काटी?

गांव पंजेटो के काका सिंह को दस्तावेजों में मरा बताया

- जिंदा होने के दस्तावेज देने के बावजूद नहीं लगी पेंशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| शहजादपुर

गांव पंजेटो के काका सिंह जीवित होने के बावजूद खुद को ज़िंदा दिखाने की जद्दोजेहद में लगे हैं। पर विभागीय अधिकारी उन्हें जिंदा मानने के लिए ही तैयार नहीं हैं। इसी वजह से उसे सम्मान भत्ता नहीं मिल पा रहा है। काका सिंह को समाज कल्याण विभाग से बुढ़ापा पेंशन मिलती थी लेकिन वर्ष 2025 के शुरुआती महीनों में सरकार से मिलने वाली बुढ़ापा पेंशन बंद कर दी।

बकौल काका सिंह ज़ब उस की 3-4 माह की पेंशन बैंक में नहीं आई तो उसने विभाग के अंबाला कार्यालय में जाकर पता किया तो उसे बताया गया कि काका सिंह मृत्यु होने के कारण पेंशन कटी है। काका सिंह ने कहा कि वह तो जीवित है। विभाग ने उससे जीवित होने के प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कुछ कागजात पेश करने के लिए कहा जिसे विभाग के पास जमा करा दिए लेकिन फिर भी पेंशन नहीं आई। काका सिंह ने 6 जुलाई 2025 को एसडीएम नारायणगढ़ को इस बारे शिकायत दी लेकिन शिकायत को भी लगभग 8 माह बीत जाने के बावजूद उसकी पेंशन पुन चालु नहीं की गई।

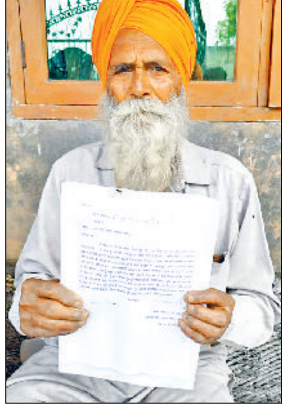

काका सिंह।

डीसी से लगाई गुहार

अब एक बार फिर काका सिंह ने 11 मार्च 2026 को उपायुक्त को शिकायत दे उसको मृत दिखा कर काटी गई पेंशन फिर से चालू करने की गुहार लगाई है और वह बार बार प्रशासन को अपने जीवित होने की दुहाई दे रहा है लेकिन विभाग सभी सबूत देने के बावजूद उसे जिंदा मानने के लिए तैयार नहीं है।

पानीपत। अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में पूर्व सरकार्यवाह सुरेश भैया जोशी, सिखों के सातवें श्रीगुरु हरराय साहिब की याद में पौधा रोपते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

सुरेश भैया जोशी ने गुरु हरराय साहिब को किया नमन

समालखा। पानीपत के गांव पट्टीकल्याणा में माध्व सृष्टि में आयोजित राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में पूर्व सरकार्यवाह सुरेश भैया जोशी ने सिखों के सातवें श्रीगुरु हरराय साहिब को नमन किया और कहा कि श्रीगुरू हरराय साहिब मानवता को जीवन करुणा, सेवा और प्रकृति संरक्षण का अद्वितीय संदेश दिया है। वहीं, गुरु हरराय साहिब का जन्म 16 जनवरी सन 1630 को कीरतपुर साहिब में हुआ था। वे छठे गुरु श्री हरगोविन्द के पौत्र थे और वर्ष 1644 में मात्र 14 वर्ष की आयु में गुरुगद्दी पर विराजमान हुए। उन्होंने कहा कि श्रीगुरु हरराय साहिब ने मानव सेवा के साथ-साथ प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा को विशेष महत्व दिया। उन्होंने औषधीय पौधों और जड़ी-बूटियों के विशाल बाग विकसित किए तथा ज़रूरतमंदों के लिए औषधालय स्थापित किए। उनका मानना था कि प्रकृति ईश्वर की अमूल्य देन है और इसकी रक्षा करना हर व्यक्ति का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि श्रीगुरु हरराय साहिब ने समाज को प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना चाहिए। उन्होंने स्वयं भी इस अवसर पर वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। दूसरी ओर, देश भर से आए स्वयं सेवियों ने कार्यक्रम स्थल पर चल रही प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में हरियाणा के प्रेरणा देने वाले महापुरुष, भगवद्गीता पर आधारित, सरस्वती नदी से संबंधित ऐतिहासिक और सांस्कृतिक प्रस्तुति, श्री गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी वर्ष पर उनके जीवन और बलिदान पर आधारित हस्तनिर्मित प्रदर्शनी का प्रदर्शन किया गया है।

जागरूक उपभोक्ता ही मजबूत अर्थव्यवस्था की नींव : डॉ. अनंत शर्मा

कंज्यूमर्स कन्फेडरेशन ऑफ इंडिया की भारत यात्रा कुरुक्षेत्र पहुंची

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कंज्यूमर्स कन्फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा देशभर में उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित उपभोक्ता जागरूकता भारत यात्रा का धर्मनगरी कुरुक्षेत्र में भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय जाट धर्मशाला, कुरुक्षेत्र में उपभोक्ता जागरूकता सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें उपभोक्ता अधिकारों, उत्पादों की गुणवत्ता, उपभोक्ता सुरक्षा तथा शिकायत निवारण से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

यह यात्रा कंज्यूमर्स कन्फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय चेयरमैन एवं यात्रा संयोजक डॉ. अनंत शर्मा के नेतृत्व में पूरे देश में संचालित की जा रही है। कार्यक्रम में भारतीय मानक ब्यूरो के अधिकारियों साइंटिस्ट रमेश, नविता यादव, आरती ने भी भाग लिया और उपभोक्ताओं को उत्पादों की गुणवत्ता, मानकों की विश्वसनीयता तथा सुरक्षित उत्पादों की पहचान के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीसीआई हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार भोला ने की, जबकि अंतर्राष्ट्रीय जाट धर्मशाला कुरुक्षेत्र के प्रधान चौधरी कृष्ण श्योकंद ने अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। कार्यक्रम का मंच संचालन सीसीआई के मुख्य सलाहकार मुकेश शर्मा ने किया। सीसीआई के राष्ट्रीय चेयरमैन एवं यात्रा संयोजक डॉ. अनंत शर्मा ने कहा कि उपभोक्ता जागरूकता भारत यात्रा का उद्देश्य देश के प्रत्येक नागरिक तक उपभोक्ता अधिकारों की जानकारी पहुंचाना है। जब उपभोक्ता जागरूक होगा, तभी बाजार में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित हो सकेगी। जागरूक उपभोक्ता ही मजबूत और स्वस्थ अर्थव्यवस्था की आधारशिला है। सीसीआई हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार भोला ने कहा कि आज के समय में उपभोक्ता देश की अर्थव्यवस्था की एक महत्वपूर्ण कड़ी है, इसलिए उपभोक्ता अधिकारों की सुरक्षा और जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इस यात्रा के माध्यम से लोगों को उपभोक्ता संरक्षण कानूनों, शिकायत निवारण प्रणाली और उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूक किया जा रहा है, ताकि कोई भी उपभोक्ता धोखाधड़ी या भ्रामक विज्ञापन का शिकार न बने।

कुरुक्षेत्र। सम्मेलन को संबोधित करते कंज्यूमर्स कन्फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय चेयरमैन एवं यात्रा संयोजक डॉ. अनंत शर्मा।

जागरूक उपभोक्ता ही समाज की नींव रखता है

अंतर्राष्ट्रीय जाट धर्मशाला कुरुक्षेत्र के प्रधान कृष्ण श्योकंद ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज के हर वर्ग तक उपभोक्ता जागरूकता का संदेश पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि जागरूक उपभोक्ता ही सुरक्षित और सशक्त समाज की नींव रखता है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से सीसीआई हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार भोला, कृष्ण श्योकंद, सीसीआई के मुख्य सलाहकार मुकेश शर्मा सीसीआई प्रदेश आईटी प्रमुख राकेश श्योकन्द, विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि तथा अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों और उपस्थित नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूकता को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया।

खबर संक्षेप

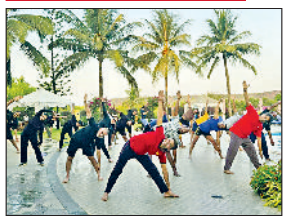

योग शिक्षक ने करवाया विशेष योग अभ्यास

करनाल। जेसीआई एलुमनी क्लब द्वारा गोवा में आयोजित नेशनल कन्वेंशन के दौरान योग गुरु और 'मेरा मिशन स्वस्थ भारत' के संस्थापक दिनेश गुलाटी ने विशेष योग सत्र का आयोजन करवाया। तीन दिवसीय इस कार्यक्रम में देशभर से लगभग 600 एलुमनी और प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में भारत के विभिन्न जोन से सदस्य शामिल हुए। जेसीआई के 10 जोनों से प्रतिनिधि पहुंचे, जिनमें जोन चेयरमैन पीडीएम जितेंद्र पाहुजा और जोन वाइस चेयरमैन नंदन चावला विशेष रूप से मौजूद रहे। हरियाणा जोन से करीब 30 सदस्यों ने कार्यक्रम में भाग लिया, जिनमें करनाल से दिनेश गुलाटी सहित अन्य सदस्य भी शामिल थे। योग सत्र के दौरान दिनेश गुलाटी ने प्रतिभागियों को विभिन्न योग क्रियाएं, आसन, एरोबिक्स और प्राणायाम का अभ्यास करवाया।

टीबी मरीजों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर

करनाल। हरियाणा रेडक्रॉस के वाइस चेयरमैन अंकुश मिगलानी और महासचिव डॉ. सुनील कुमार के दिशा-निर्देशन में टीबी प्रोजेक्ट के तहत रेडक्रॉस भवन में स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। यह शिविर उपायुक्त उत्तम सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव कुलबीर मलिक ने बताया कि जिला रेडक्रॉस और सरकारी अस्पताल की टीबी यूनिट की टीम ने शिविर के दौरान 40 लोगों की मुफ्त टीबी स्क्रीनिंग की। इसके अलावा 23 एक्स-रे टेस्ट किए गए और 23 लोगों के थूक के नमूने जांच के लिए लिए गए। शिविर में आए लोगों से उनकी स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में जानकारी ली गई और टीबी के मरीजों को नियमित रूप से दवाइयां लेने के साथ पौष्टिक एवं प्रोटीन युक्त आहार लेने की सलाह दी गई।

केयू में 17-18 मार्च को होगी राष्ट्रीय संगोष्ठी

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में इंस्टीट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन एंड मीडिया टेक्नोलॉजी (आईएमसीएमटी) में प्रिंटर्स डे के अवसर पर 17-18 मार्च को राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। इस संगोष्ठी का उद्देश्य युवा पीढ़ी को मुद्रण कला के जनक जोहांस गुटनबर्ग के योगदान से अवगत कराना तथा प्रिंटिंग और पैकेजिंग उद्योग में उभरती भविष्य की प्रवृत्तियों पर विचार-विमर्श करना है। इस अवसर पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो. वीरेन्द्र सिंह पाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे, जबकि प्रबंधन एवं वाणिज्य संकाय के डीन प्रो. मोहिंदर चंद विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लेंगे।

वर्तमान शिक्षा प्रणाली को 'मानसिक गुलामी' बताया

बाबा रामदेव ने वैश्विक युद्ध, शिक्षा पर बेबाकी से रखी राय

- मैकाले की सोच को उखाड़ फेंकने का आह्वान किया

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶| करनाल

करनाल की धरती पर योग गुरु बाबा रामदेव का एक अलग ही रूप देखने को मिला। जहाँ एक ओर उन्होंने दुनिया में मँडरा रहे तीसरे विश्व युद्ध के खतरों से आगाह किया, वहीं दूसरी ओर देश की वर्तमान शिक्षा प्रणाली को 'मानसिक गुलामी' का प्रतीक बताते हुए मैकाले की सोच को उखाड़ फेंकने का आह्वान किया।

वैश्विक अशांति

कार्यक्रम की शुरुआत में ही बाबा रामदेव ने दुनिया के तनावपूर्ण हालातों पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आज स्थिति ऐसी बन गई है जिसे 'अघोषित तीसरा विश्व युद्ध' कहा जा सकता है। "एक तरफ अमेरिका और इजराइल बमबारी कर रहे हैं, तो जवाब में ईरान मिसाइलें दाग रहा है। मिडिल ईस्ट की यह आग पूरी दुनिया को अपनी चपेट में ले सकती है।

हैरानी जताते हुए उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र और विश्व बैंक जैसी बड़ी संस्थाएं और उनके 'ठेकेदार' इस समय चुप बैठे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि ऐसा लगता है जैसे अमेरिका और डोनाल्ड ट्रंप जैसी शक्तियों के सामने सबके 'मुंह में दही जम गया है'। उन्होंने आगाह किया कि यदि खाड़ी देशों में हालात बिगड़े, तो वहां काम कर रहे एक करोड़ भारतीयों के साथ-साथ देश की ईंधन और गैस आपूर्ति पर भी संकट आ जाएगा।

शिक्षा पर प्रहार: युद्ध के बाद बाबा रामदेव ने देश के भीतर की 'गुलामी' पर प्रहार किया। उन्होंने कहा कि आजादी के 78 साल बाद भी हम लॉर्ड मैकाले की 1835 वाली शिक्षा नीति के बोझ तले दबे हैं। उन्होंने घोषणा की कि उनका लक्ष्य देश के 1 लाख स्कूलों को 'भारतीय शिक्षा बोर्ड' से जोड़ना है, ताकि बच्चों को तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ संस्कारयुक्त और गौरवशाली भारतीय इतिहास की शिक्षा दी जा सके। उन्होंने बताया कि वर्तमान में 1,000 से अधिक स्कूल इस मुहिम से जुड़ चुके हैं और 10,000 अन्य प्रक्रिया में हैं।

स्वदेशी का मंत्र

देश में गैस की किल्लत की चर्चाओं पर उन्होंने जनता को संयम बरतने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि सरकार अपनी ओर से व्यवस्था कर रही है, लेकिन आम लोगों को भी 'मितव्ययिता' (किफायती उपयोग) अपनानी होगी।

बाबा रामदेव ने 'मातृ शक्ति' का आभार जताते हुए कहा कि पतंजलि को दुनिया का बड़ा ब्रांड बनाने में उनका सबसे बड़ा योगदान है। उन्होंने सभा को तीन संकल्पों के साथ विदा किया, योग को घर-घर पहुंचाएं। आयुर्वेद से बीमारियों को हराएं। स्वदेशी अपनाकर देश को आर्थिक मजबूती दें।

पतंजलि और पत्रकार

कार्यक्रम के दौरान माहौल तब गरमा गया जब एक पत्रकार ने पतंजलि उत्पादों के सैंपल फेल होने की खबरों पर सवाल किया। बाबा रामदेव ने इन आरोपों को पूरी तरह 'निराधार' और षड्यंत्र बताया। उन्होंने पत्रकार को ही टोकते हुए अपनी 'सेहत सुधारने' की नसीहत दे डाली और कहा कि पतंजलि की नींव सेवा और स्वदेशी के संकल्प पर टिकी है, जिसे हिलाना मुमकिन नहीं है।

विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण की माता प्रेम कौर का निधन

- गांव कुटेल की शिवपुरी में हुआ अंतिम संस्कार, बड़ी संख्या में लोगों ने दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶| करनाल

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण की माताजी श्रीमती प्रेम कौर कल्याण (87) का शुक्रवार देर रात निधन हो गया। वे काफी समय से अस्वस्थ चल रही थीं। शनिवार को गांव कुटेल स्थित शिवपुरी में उनका अंतिम संस्कार किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों और विभिन्न संगठनों के लोगों ने भाग लेकर श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और पूर्व वित्तमंत्री कै. अभिमन्यु ने शोक व्यक्त किया है। प्रेम कौर कल्याण का पार्थिव शरीर मधुबन स्थित कल्याण फार्म से अंतिम यात्रा के रूप में शिवपुरी श्मशान घाट लाया गया।

इस दौरान परिवार के सदस्यों और ग्रामीणों ने अर्थी को कंधा दिया। अंतिम संस्कार की रस्में पूरी करते हुए विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण, उनके भाई देवेंद्र कल्याण (चुनाव आयुक्त हरियाणा) तथा समर सिंह कल्याण ने मुखाग्नि दी। अंतिम संस्कार में भाजपा जिला अध्यक्ष प्रवीण लाठर, कुटेल मेडिकल यूनिवर्सिटी के उपकुलपति विकास भाटिया, केंद्रीय मंत्री के प्रतिनिधि कविंद्र राणा, पूर्व मंत्री शशिपाल मेहता, पूर्व विधायक रमेश कश्यप, नगरपालिका घरौंडा के चेयरमैन हैप्पी लक गुप्ता,आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे।

करियर निर्माण के लिए समय प्रबंधन और आत्मविश्वास पर दिया जोर

- छात्राओं के व्यक्तित्व विकास पर तीन दिवसीय कार्यशाला शुरू

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶| करनाल

राजकीय महिला महाविद्यालय में शनिवार से "व्यक्तित्व निखार के माध्यम से करियर निर्माण" विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला की शुरुआत की गई। यह कार्यशाला सिटीजंस ग्रीवेंसीज कमेटी की महिला एवं बाल कल्याण उप समिति की अध्यक्ष सुजाता गुप्ता के मार्गदर्शन में आयोजित की जा रही है।

कार्यशाला के पहले दिन वक्ताओं ने छात्राओं से संवाद करते हुए करियर निर्माण में आने वाली चुनौतियों और उनके समाधान पर चर्चा की। छात्राओं को बताया गया कि सही दिशा में मेहनत और सकारात्मक सोच के साथ वे अपने लक्ष्य हासिल कर सकती हैं। मुख्य वक्ता पूजा गाबा ने कहा कि व्यक्तित्व विकास के लिए आत्मविश्वास, आत्म-जागरूकता और बेहतर संवाद कौशल बेहद जरूरी हैं। छोटे-छोटे लक्ष्य तय करके उन्हें पूरा करने से आत्मविश्वास बढ़ता है और व्यक्ति सफलता की ओर आगे बढ़ता है।

पढ़ाई के साथ स्वरोजगार की जानकारी भी दी

कार्यशाला में छात्राओं को 'अर्न वाइल यू लर्न' के बारे में भी जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि पढ़ाई के दौरान भी छोटे स्तर पर स्वरोजगार शुरू कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बना जा सकता है।

जरूरतमंद पांच बेटियों का होगा सामूहिक विवाह

करनाल। मानव सेवा संघ की ओर से रविवार 15 मार्च को जरूरतमंद परिवारों की बेटियों का सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम सुबह 10 बजे शुरू होगा, जिसमें पांच कन्याओं का विवाह संपन्न कराया जाएगा।

संघ के संचालक स्वामी प्रेममूर्ती ने बताया कि संस्था पिछले कई वर्षों से समाज सेवा के कार्यों में सक्रिय है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों के विवाह के लिए सामूहिक कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें सहयोग दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से समाज में सहयोग और भाईचारे की भावना भी मजबूत होती है। उन्होंने बताया कि समारोह में विभिन्न सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक क्षेत्रों से जुड़ी हस्तियां भी पहुंचेंगी और नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देंगी।मानव सेवा संघ के संचालक स्वामी प्रेममूर्ती के अनुसार संस्था अब तक करीब 700 जरूरतमंद कन्याओं का विवाह करवा चुकी है।

वैवाहिक परिचय सम्मेलन: आज अग्रवाल युवक-युवतियों को मिलेगा जीवनसाथी चुनने का मंच

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶| करनाल

अग्रवाल समाज के युवक-युवतियों को उपयुक्त जीवनसाथी चुनने का अवसर देने के लिए रविवार 15 मार्च को अग्रसेन भवन सेक्टर-8 में वैवाहिक परिचय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम सुबह 10 बजे शुरू होगा।

अग्रवाल युवा संगठन के प्रधान रमेश जिंदल ने बताया कि सम्मेलन में उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों से एक हजार से अधिक युवक-युवतियां और उनके परिजन शामिल होंगे। मंच के माध्यम से प्रतिभागियों को अपने बारे में जानकारी देने का अवसर मिलेगा, जिससे रिश्ते तय करने में आसानी होती है।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2000 में इस सम्मेलन की शुरुआत समाज में विवाह समारोहों में होने वाले अनावश्यक खर्च को कम करने के उद्देश्य से की गई थी। समय के साथ इस कार्यक्रम के प्रति लोगों का रुझान लगातार बढ़ता गया और अब यह समाज में एक महत्वपूर्ण मंच बन चुका है।

करनाल। बैठक में चर्चा करते अग्रवाल युवा संगठन के पदाधिकारी।

सम्मेलन के जरिए तय हो चुके हैं हजारों रिश्ते

अग्रवाल युवा संगठन के अनुसार बीते 25 वर्षों में इस वैवाहिक परिचय सम्मेलन के माध्यम से करीब छह हजार से अधिक रिश्ते तय हो चुके हैं।

इस बार भी सम्मेलन में पंजीकृत युवक-युवतियों की जानकारी वाली पुस्तिका का विमोचन किया जाएगा।

पात्र परिवार को सौंपा 50 लाख रुपये का चेक

- बैंक से ऋण लेने वाले ग्राहक का आकस्मिक निधन हो गया था।

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶| करनाल

पंजाब नेशनल बैंक ने ऋण सुरक्षा योजना के तहत एक दिवंगत ऋणधारक के परिवार को 50 लाख रुपये का चेक प्रदान किया। जानकारी के अनुसार बैंक से ऋण लेने वाले ग्राहक का आकस्मिक निधन हो गया था। इसके बाद ऋण सुरक्षा बीमा योजना के अंतर्गत दावा स्वीकृत होने पर यह राशि परिवार को प्रदान की गई।

यह आर्थिक सहायता पीएनबी मेटलाइफ इंश्योरेंस कंपनी द्वारा दी गई, जो बैंक के साथ मिलकर ऋण सुरक्षा बीमा सुविधा उपलब्ध कराती है। बैंक अधिकारियों ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य किसी अप्रत्याशित परिस्थिति में ऋणधारक के परिवार को आर्थिक कठिनाइयों से बचाना है।

इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष त्रिमूर्ति शिव पांडेय, डिप्टी सर्कल हेड केडीएस अग्रवाल, एजीएम रजत शर्मा, आरएएम हेड अमनप्रीत सिंह, एमसीसी हेड विजय राठौर, एलडीएम सुशील कुमार, आरएसएम मेट सुरक्षा तरुण खन्ना, टीएम मेट सुरक्षा प्रिया कंबोज और एसआरएम मेट सुरक्षा हर्ष ने दिवंगत ऋणधारक के परिजनों को 50 लाख रुपये का चेक सौंपा और परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

आर्थिक मुद्दों पर की गई कांग्रेस की बैठक में चर्चा

करनाल। जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक जिला शहरी अध्यक्ष पराग गाबा के नेतृत्व में आयोजित की गई, जिसमें जिला युवा कांग्रेस ग्रामीण के अध्यक्ष रजत लाठर विशेष रूप से मौजूद रहे। पराग गाबा ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों और युद्ध के कारण देश की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि शेयर बाजार में गिरावट, एलपीजी की बढ़ती कीमतें और कच्चे तेल के दामों में वृद्धि का सीधा प्रभाव आम लोगों और छोटे व्यापारियों पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार को इस विषय पर स्पष्ट नीति सामने रखनी चाहिए ताकि देश की जनता को स्थिति के बारे में जानकारी मिल सके। इस अवसर पर संगठन महासचिव ललित आहुजा, पंकज गाबा, विनोद शर्मा और सोनू शर्मा सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

लिव-इन रिलेशनशिप से जुड़े कानून में बदलाव की मांग

- महिला प्रतिनिधिमंडल ने सांसद कुमारी सैलजा को ज्ञापन सौंपा

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶| कुरुक्षेत्र

लिव-इन रिलेशनशिप से जुड़े कानून में बदलाव की मांग को लेकर सर्वजातीय सर्वखाप महिला महापंचायत की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संतोष दहिया के नेतृत्व में महिला प्रतिनिधिमंडल ने सिरसा से सांसद कुमारी शैलजा को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान डॉ. संतोष दहिया ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सामाजिक अधिकारों को ध्यान में रखते हुए लिव-इन रिलेशनशिप से संबंधित कानूनों को अधिक स्पष्ट और जिम्मेदार बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने सांसद से इस विषय को गंभीरता से संसद और सरकार के समक्ष उठाने का आग्रह किया। डॉ. संतोष दहिया ने कहा कि वर्तमान समय में लिव-इन संबंधों के कारण कई बार महिलाओं को कानूनी, सामाजिक और मानसिक असुरक्षा का सामना करना पड़ता है। लंबे समय तक साथ रहने के बाद कई महिलाओं को असहाय छोड़ दिया जाता है। ऐसे मामलों में न केवल महिलाओं के अधिकार प्रभावित होते हैं बल्कि उनसे जन्म लेने वाले बच्चों का भविष्य भी असुरक्षित हो जाता है, इसलिए इन संबंधों को लेकर स्पष्ट और मजबूत कानूनी प्रावधान होना बेहद जरूरी है। इस विषय को लेकर पहले ही देश के प्रमुख संवैधानिक और सामाजिक नेतृत्व को भी अवगत कराया जा चुका है।

न्यूज डायरी

कार्यकर्ताओं को दी योजनाओं की जानकारी

नीलोखेड़ी। हरियाणा ग्रामीण विकास संस्थान के निदेशक एवं भाजपा प्रवक्ता डॉ. वीरेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। वे पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 के तहत आयोजित कार्यक्रम में निगदू मंडल के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। डॉ. चौहान ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत देश में चार करोड़ से अधिक पक्के मकानों का निर्माण किया जा चुका है। जल जीवन मिशन के माध्यम से 15.79 करोड़ से अधिक परिवारों के घरों तक नल के जरिए स्वच्छ पेयजल पहुंचाया गया है। उन्होंने कहा कि उज्ज्वला योजना के जरिए महिलाओं को गैस कनेक्शन देकर धुएं से मुक्ति दिलाई गई है। वहीं आयुष्मान भारत योजना के तहत करोड़ों लोगों को हर साल पांच लाख रुपये तक का निशुल्क इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों को प्रति वर्ष छह हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है और अब तक किसानों के खातों में बड़ी राशि सीधे ट्रांसफर की जा चुकी है। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष राजपाल, महामंत्री मल्खान सिंह, मंडल प्रभारी संतोष पाल, महामंत्री शैलेंद्र सेतिया, पूर्व चेयरमैन जेपी सांवत, फूल सिंह, रीना रानी, सुनीता तेहरी सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

युवा महोत्सव में कुवि बना सांस्कृतिक चैंपियन

कुरुक्षेत्र। भारतीय विश्वविद्यालय संघ के तत्वावधान में 10 से 14 मार्च 2026 तक सत्यभामा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, चेन्नई में आयोजित 39वें अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय राष्ट्रीय युवा महोत्सव में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए सांस्कृतिक श्रेणी में पहली बार चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया। कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर विद्यार्थियों, प्रशिक्षकों और अधिकारियों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की प्रतिभा, कठोर परिश्रम और प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। इस उपलब्धि से विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक परंपरा को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिली है और यह अन्य विद्यार्थियों को भी उत्कृष्टता के लिए प्रेरित करेगी। लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने बताया ट्रॉफियों की दृष्टि से भी विश्वविद्यालय ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। विश्वविद्यालय को नृत्य ट्रॉफी में समग्र विजेता घोषित किया गया, जबकि साहित्यिक ट्रॉफी में समग्र तृतीय उपविजेता का स्थान प्राप्त हुआ।

होटल कारोबारियों और रसोइयों ने की जमकर सराहना

आहार 2026 में छाया लायशा बासमती चावल

- प्रगति मैदान, नई दिल्ली में 10 से 14 मार्च तक प्रदर्शनी आयोजित

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶| तरावड़ी

देश के सबसे बड़े खाद्य और आतिथ्य मेले आहार-2026 में शिव शक्ति इंटर ग्लोब एक्सपोर्ट्स प्रा. लि. का प्रीमियम बासमती चावल ब्रांड लायशा आकर्षण का केंद्र बना रहा। प्रगति मैदान, नई दिल्ली में 10 से 14 मार्च तक आयोजित इस प्रदर्शनी में लायशा के स्टॉल पर होटल कारोबारियों, रसोइयों, भोजन प्रबंधकों और व्यापारियों की भारी भीड़ देखने को मिली।

पांच दिनों तक चले इस आयोजन में खाद्य उद्योग से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों के लोगों ने लायशा

तरावड़ी। आहार 2026 मेले में लायशा बासमती चावल के स्टाल पर ग्राहक।

बासमती चावल की गुणवत्ता और स्वाद की सराहना की। स्टॉल पर आयोजित प्रत्यक्ष स्वाद परीक्षण और विशेष भोजन प्रस्तुति ने भी आगंतुकों का खासा ध्यान आकर्षित किया। रसोइयों द्वारा तैयार किए गए विभिन्न व्यंजनों के माध्यम से यह बताया गया कि लायशा चावल हर प्रकार के भारतीय व्यंजन के लिए उपयुक्त है। कंपनी के अनुसार, लायशा बासमती चावल हैदराबादी बिरयानी से लेकर दही चावल, जऱदा पुलाव और रोजमर्रा के भोजन तक हर प्रकार की डिश में अपनी गुणवत्ता और खुशबू के लिए जाना जाता है। देश के अलग-अलग हिस्सों के स्वाद को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया यह ब्रांड अब भारतीय बाजार में भी तेजी से अपनी पहचान बना रहा है।

कंपनी के निदेशक अमन गुप्ता ने कहा कि आहार-2026 में मिला शानदार प्रतिसाद कंपनी के लिए उत्साहजनक है। उन्होंने कहा कि लायशा पहले से ही विदेशों में लोकप्रिय है और अब भारत के उपभोक्ताओं को भी वही अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता उपलब्ध कराई जाएगी। वहीं कंपनी के उपाध्यक्ष (विक्रय एवं विपणन) संजीव गुप्ता ने बताया कि आहार जैसे बड़े मंच पर होटल, रेस्टोरेंट, भोजन व्यवस्था और आधुनिक व्यापार से जुड़े सभी क्षेत्र एक साथ आते हैं। ऐसे में लायशा को हर वर्ग से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है, जिससे स्पष्ट है कि बाजार में इस ब्रांड की मजबूत संभावनाएं हैं। गौरतलब है कि शिव शक्ति इंटर ग्लोब एक्सपोट्र्स प्रा. लि. पिछले कई दशकों से बासमती चावल के निर्यात के क्षेत्र में सक्रिय है और 72 से अधिक देशों में अपने उत्पादों का निर्यात कर रही है। कंपनी अब भारतीय बाजार में भी अपने प्रीमियम ब्रांड लायशा के माध्यम से ग्राहकों तक विश्वस्तरीय बासमती चावल पहुंचाने की दिशा में कदम बढ़ा रही है।

आयुष विवि में नेशनल सेमिनार कल

कुरुक्षेत्र। श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर वैद्य करतार सिंह धीमान के मार्गदर्शन में कल 16 मार्च सोमवार को एएसएच एंड एच (आयुर्वेद, सिद्ध, होम्योपैथी एवं यूनानी) चिकित्सकों में फामार्कोविजिलेंस के प्रति जागरूकताह्व विषय पर नेशनल सेमिनार आयोजित किया जाएगा। सेमिनार में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (ठकअ), जयपुर के सहायक प्रोफेसर एवं आईपीवीसी के कोऑर्डिनेटर डॉ. तरुण शर्मा तथा एनपीवीसी के कोऑर्डिनेटर डॉ. बिधान महाजन बतौर रिसोर्स पर्सन व्याख्यान देंगे। कार्यक्रम संयोजक डॉ. सतबीर चावला ने बताया कि विभिन्न राज्यों से 345 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया है। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आयुर्वेद अध्ययन एवं अनुसंधान संस्थान के प्राचार्य प्रो. आशीष मेहता की अध्यक्षता में विभिन्न समितियों का गठन किया गया है।

खबर संक्षेप

किशोरी के साथ दुष्कर्म का प्रयास

पानीपत। चांदनीबाग थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी में निवास कर रहे परिवार की नौ साल की बेटी के साथ बाथरूम में दुष्कर्म करने की चेष्टा की गई। घटना के दौरान लड़की की मां बाथरूम में पहुंच गई, वहीं आरोपी मां को आया देख दीवार फांद कर फरार हो गया। बाथरूम के बाद खडा आरोपी का नाबालिग दोस्त पकड़ लिया गया और उसे पुलिस को सौंप दिया गया। इधर, लड़की की मां की शिकायत पर थाना चांदनी बाग पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इससे पहले भी आरोपी पीड़ित लड़की के साथ पहले भी दुष्कर्म की चेष्टा कर चुका है।

हमलावरों ने घर में घुस कर तोड़फोड़ की

पानीपत। पानीपत के कृष्णपुरा में राजकीय स्कूल के पीछे निवास कर रहे मोहित के साथ मारपीट की गई। वहीं हमलावरों ने घर में घुस कर तोड़फोड़ की और महिलाओं के साथ अभ्रदता की। मारपीट में मोहित के दो दांत टूट गए। इधर, मोहित की शिकायत पर हुडा सेक्टर-29 थाना पुलिस ने संदीप, जोनी, जोगिन्द्र, सन्नी, ध्रुव उर्फ काला, निशु, निशांत, सिद्धार्थ, सौरभ, गौरव, विक्की, वंश, रमा, मीना आदि पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पानीपत में सोने से बने जेवर चोरी

पानीपत। पानीपत के कच्चा कैंप क्षेत्र की बत्रा कालोनी निवासी श्रीपाल के मकान में किरायेदार साहिल मूल निवासी सीता पुर, उत्तर प्रदेश के घर से चोरों ने सोने से बने एक जोड़ी झाले, मंगलसूत्र, अंगूठी, बाली, नाक की कोका चोरी कर ली। साहिल की शिकायत पर पुराना औद्योगिक थाना पुलिस ने घटनास्थल की जांच की और अज्ञात लोगों पर चोरी के आरोप में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बंदरों से हमलों में दो घायल

समालखा। समालखा के गोल्डन पार्क में शनिवार सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों पर बंदरों ने हमला कर दिया। वहीं, इस घटना में बालकिशन व गोपला घायल हो गए। जबकि बंदरों ने कई बच्चों, बुजुर्गों व महिलाओं को भी दौडा। इधर, रामनिवास गोयल और संजय कुच्छल ने डंडे लहराकर बंदरों को भगाया। गत दिनों मॉडल टाउन निवासी बलवंत मल्होत्रा को भी बंदर घायल कर चुके है। पूर्व पार्षद कुलभूषण अरोड़ा और विकास साहू ने समालखा प्रशासन से बंदरों से मुक्ति दिलवाने की मांग की है।

21.50 लाख रुपये की चोरी में दो पकड़े

पानीपत। थाना समालखा पुलिस ने गांव गढ़ी छाजू निवासी मोहित के घर से 21.50 लाख रुपये चोरी करने के आरोप में रोहतक के किलोई गांव निवासी दिनेश व महेंद्रगढ़ के डेरोली गांव निवासी नवीन को गिरफ्तार किया है। थानेदार समालखा ने बताया कि घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज से दोनों को पकडा गया। वहीं पुलिस ने आरोपियों को कोर्ट में पेश कर एक दिन के रिमांड पर लिया है। जबकि मोहित की शिकायत पर चोरी के इस मामले में केस दर्ज है।

एसडी कॉलेज में कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी के सात दिवसीय एनएसएस के विशेष कैंप का शुभारंभ

सृजनात्मक व रचनात्मक बने स्वयं सेवी विद्यार्थी: डॉ. अरोड़ा

14 से 20 मार्च तक चलने वाले इस कैंप में कॉलेज के 100 स्वयंसेवक हिस्सा ले रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत। कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी के एनएसएस कैंप को संबोधित करते हुए एसडी कॉलेज प्राचार्य डॉ. अनुपम अरोड़ा व एनएसएस कैंप में देशभक्ति के नारे लगाते हुए स्वयं सेवी विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

एसडी पीजी कॉलेज पानीपत में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के सात दिवसीय विशेष एनएसएस कैंप का शानदार आगाज हुआ। जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि हरपाल ढांडा ने किया। मुख्य अतिथि का स्वागत प्रधान दिनेश गोयल, उप-प्रधान राजीव गर्ग, महासचिव महेंद्र अग्रवाल, कोषाध्यक्ष विशाल गोयल और प्राचार्य डॉ. अनुपम अरोड़ा ने किया। कैंप सेक्रेटरी डॉ. राकेश गर्ग और डॉ. संतोष कुमारी ने कार्यक्रम में अपना योगदान दिया। विदित रहे कि 14 से 20 मार्च तक चलने वाले इस कैंप में कॉलेज के 100 स्वयंसेवक हिस्सा ले रहे है। सभी स्वयंसेवकों के भोजन की पूर्ण व्यवस्था कॉलेज में की गई है। जबकि मंच संचालन डॉ. संतोष कुमारी ने किया। वहीं, कैंप में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण के भाव को सभी में जागृत किया। वहीं, दोपहर के सत्र में स्वयंसेवकों ने कॉलेज और इसके आस-पास के इलाके की साफ़सफाई की। दूसरी ओर, प्राचार्य डॉ. अनुपम अरोड़ा नें कहा कि एनएसएस कैंप में भाग लेने से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास में तो वृद्धि होती ही है साथ ही उनके मन में देश और समाज को समझने और बदलने का जज्बा भी पैदा होता है। वे सृजनात्मक और रचनात्मक सामाजिक कार्यों में खुद को प्रवृत्त कर सके, स्वयं तथा समुदाय के ज्ञान में वृद्धि कर सके, समस्याओं को हल करने में स्वयं की प्रतिभा का व्यावहारिक उपयोग कर सके, यही इस कैंप का मूल उद्देश्य है। डॉ. अरोड़ा ने बताया कि कैंप में स्वयंसेवक वित्तीय, जल संरक्षण, प्रदूषण, पर्यावरण संतुलन, स्वच्छता, लैंगिक समानता, साक्षरता, परिवार कल्याण, पोषण, महिलाओं की स्थिति एवं इसके सुधार के उपाय, आपदा राहत तथा पुनर्वास, समाज में व्याप्त बुराइयां, डिजिटल भारत, कौशल भारत, योग आदि जैसे विषयों पर व्यावहारिक ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे।

हनुमंत जन्मोत्सव शोभायात्रा को लेकर लोगों में उत्साह

पानीपत। श्री अवध धाम हनुमंत जन्मोत्सव समिति से जुडे श्रद्धालु नागरिकों को उत्सव का निमंत्रण देते हुए। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

श्री अवध धाम हनुमंत जन्मोत्सव समिति एवं श्री अवध धाम सेवा समिति ने शनिवार को शहर में कई स्थानों पर धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों एवं संस्थाओं से शोभायात्रा को भव्य एवं दिव्य बनाने हेतु संपर्क किया। वहीं बैठकों का आयोजन भी किया गया। जिनमें संस्थाओं ने कहा कि पूरा सहयोग रहेगा। डेढ़ सौ से अधिक खाने पीने के स्थान को शोभायात्रा के दौरान देवी मंदिर एवं बाजारों में लगाया जाएगा। बाजारों के प्रधानों ने भी समिति के पदाधिकारियों को आश्वस्त किया कि यात्रा को भव्य एवं दिव्य बनाने की जिम्मेदारी हम सब है। आज समालखा के चुलकाना धाम में भी इस शोभायात्रा को लेकर बैठक की गई। इसके अलावा 18 मार्च को पूर्व सांसद एवं वर्तमान में भाजपा के राज्यसभा के उम्मीदवार संजय भाटिया भी इस यात्रा को लेकर एक बैठक देवी मंदिर में दोपहर 2 बजे लेंगे। इस अवसर पर संजय अग्रवाल, राहुल विज, चांद भाटिया, पूर्व पार्षद सुरेंद्र गर्ग, कृष्ण अग्रवाल, राजेश सूरी, सुरेश बवेजा, मनीष जैन, पार्षद रॉकी, विशाल वर्मा, अमित पंडित, सुनील, प्रमोद, इसू गोयल, कुनाल जैन, प्रीतम व वेद पराशर आदि मौजूद रहे।

अनुशासित परिश्रम करने पर मिलती है सफलता

- जाट सभा ने यूपीएससी क्लीयर करने वाले श्रेया गुप्ता, कीर्ति, ज्योति, मोहित को सम्मानित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत। जाट महासभा के कार्यक्रम में यूपीएससी क्लीयर करने वाले मेधावी। फोटो : हरिभूमि

एसडी पीजी कॉलेज में जाट सभा जिला पानीपत द्वारा संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा में 114 वीं रैंक वाली श्रेया गुप्ता को, 304 वीं रैंक प्राप्त करने वाली कीर्ति को, 683 वीं रैंक लेने वाली ज्योति और 717 वीं रैंक प्राप्त करने वाले मोहित मिटान को सम्मानित किया। वहीं, कार्यक्रम में मुख्यातिथि प्रदेश के शिक्षामंत्री महीपाल ढांडा के भाई हरपाल ढांडा, जाट सभा के सभी पदाधिकारियों और कॉलेज प्रबंधकारिणी के सदस्यों ने उनके माता पिता को शॉल और मुमेंटो भेंट करके सम्मानित किया। उन्होंने ने कहा कि अनुशासित परिश्रम करने पर सफलता मिलती है। वहीं, कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज प्रधान दिनेश गोयल ने की। जबकि कॉलेज उपप्रधान राजीव गर्ग, महासचिव महेंद्र अग्रवाल, कोषाध्यक्ष विशाल गोयल, जाट सभा पानीपत के प्रधान जगबीर राणा, वरिष्ठ उपप्रधान धर्मवीर मलिक, विजेंद्र मान, उपप्रधान सुभाष मलिक, ईश्वर जागलान, सत्यवान संधू कोषाध्यक्ष, अजीत दहिया, सतबीर नम्बरदार, सूरजमल जागलान, राजेन्द्र मलिक, जोगिन्दर सिंह पंवार, रमेश सहरावत, बलबीर सिंह, सतबीर मलिक पू आदि ने कार्यक्रम को सुशोभित किया। मेहमानों का स्वागत और परिचय प्राचार्य डॉ.अनुपम अरोड़ा ने दिया। वहीं, प्राचार्य डॉ. अनुपम अरोड़ा ने कहा कि चारों सफल उम्मीदवारों ने यूपीएसी में अच्छे रैंक पाकर न सिर्फ जिले का मान बढाया है बल्कि इन्होनें अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरणा दी है।

आईबी कॉलेज में पाई दिवस मनाया

पानीपत। आईबी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सतवीर के साथ मेधावी विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

आईबी कॉलेज में गणित विभाग की ओर से राष्ट्रीय पाई दिवस के उपलक्ष्य में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता हुई। वहीं, प्राचार्य डॉ. सतवीर सिंह ने कहा कि गणित विषय में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता से विद्यार्थी बहुत लाभान्वित होते हैं। एक निर्धारित समय में प्रश्नों को हल करने से वो भविष्य में प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए भी तैयार होंगे। ऐसी प्रतियोगिताओं में भाग लेने से ज्ञान एवं आत्मविश्वास बढ़ने के साथ साथ विद्यार्थी स्व-मूल्यांकन भी कर पाते हैं। विभागाध्यक्षा डॉ. अर्पणा गर्ग ने बताया कि करीब दो सौ विद्यार्थियों ने प्रतियोगिताओं में भाग लिया। वहीं, प्रतियोगिता में प्रिया व स्वाती प्रथम, महक व स्नेहा द्वितीय, शकंर व सोनू मित्तल तृतीय रहे। जबकि हिमांशी को सांत्वना पुरस्कार मिला। विजेताओं को प्राचार्या डॉ. सतवीर सिंह व प्रो. कनक शर्मा, डॉ. पूनम गुप्ता, प्रो. संगीता, मनीष, कीर्ति, मुस्कान ने पुरस्कृत किया।

कंस का साम्राज्य समाप्त करने के लिए भगवान विष्णु ने बालकृष्ण के रूप में लिया जन्म : शास्त्री

- सेक्टर-8 में चल रही श्रीमद्भागवत कथा में सुनाया प्रसंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

हरियाणा बैरागी सभा द्वारा आयोजित सेक्टर-8 में चल रही श्रीमद्भागवत कथा में कथावाचक अनिल शास्त्री ने कहा भाद्रपद मास कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को रोहिणी नक्षत्र दिन बुधवार की अंधेरी रात में भगवान कृष्ण ने देवकी के आठवें संतान के रूप में जन्म लिया। श्रीकृष्ण के जन्म लेते ही कोठरी प्रकाशमय हो गया। तब तक आकाशवाणी हुई कि विष्णुजी ने कृष्ण जी के अवतार में देवकी के कोख में जन्म लिया है। अनिल शास्त्री ने कहा की भगवान श्री कृष्ण को गोकुल में बाबा नंद के पास छोड़ आएं और उनके घर एक कन्या जन्मी है, उसे मथुरा ला कर कंस को सौंप दें। भगवान विष्णु के आदेश से वासुदेव जी भगवान कृष्ण को सूप में अपने सिर पर रखकर नंद जी के घर की ओर चल दिए। भगवान विष्णु की माया से सभी पहरेदार सो गए, कारागार के दरवाजे खुल गए। आकाशवाणी सुनते ही वासुदेव के हाथों की हथकड़ी खुल गई। वासुदेव जी ने सूप में बाल गोपाल को रखकर सिर पर रख लिया और गोकुल की ओर चल पड़े। वासुदेव भगवान कृष्ण को लेकर नंद जी के यहां सकुशल पहुंच गए और वहां से उनकी नवजात कन्या को लेकर वापस आ गए। जब कंस को देवकी की आठवीं संतान के जन्म की सूचना मिली।

लोक अदालत में 39205 केसों का हुआ निपटारा

- लोक अदालत में निपटान की राशि 9,03,39,799/- रुपये थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत। नेशनल लोक अदालत में कसों की सुनवाई करते हुए न्यायधीश।

न्यायमूर्ति श्री दीपक सिबल, न्यायाधीश, पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय तथा कार्यकारी अध्यक्ष जगदीप सिंह सदस्य सचिव, हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार और सुदेश कुमार शर्मा, जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण, पानीपत के कुशल मार्गदर्शन में सेशन डिवीजन, पानीपत में शनिवार को अधिनिर्णय की पूरी प्रक्रिया न्यायाधीशों, वकीलों, वादियों, बीमा कंपनियों और बैंक प्रतिनिधियों के बीच न्यायालय में निजी रूप से आकर नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिसमें दुर्घटना के दावे, चेक बाउंस, बैंक वसूली, नागरिक विवादों से संबंधित सार्वजनिक उपयोगिता सेवाएं, उपभोगता कमीशन के केस भी शामिल हैं और यहां तक कि घरेलू हिंसा अधिनियम आदि से संबंधित कंपाउंडेबल अपराधों के आपराधिक मामले भी शामिल है। इधर, मुख्य न्यायिक वर्षा शर्मा, दंडाधिकारी एवं सचिव जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण ने बताया कि पानीपत और सब डिविजन समालखा में मिलाकर कुल 43059 मुकदमों को लिया गया था जिनमें से 39205 मुकदमों को पानीपत और सब डिविजन समालखा में लोक अदालत में पारंपरिक रूप से निपटाया गया। लोक अदालत में निपटान की राशि 9,03,39,799/- रुपये थी। , लोक अदालत की बैंच में संदीप सिंह, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, याचना, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, पूजा सिंगला, अतिरिक्त प्रिंसिपल न्यायाधीश पारिवारिक कोर्ट, हिमानी गिल, सिविल जज (जूनियर डिविजन), अनुराधा, सिविल जज (जूनियर डिविजन), पानीपत एवं शैली नैन, सिविल जज (जूनियर डिविजन), समालखा शामिल रहे।

लिव-इन रिलेशनशिप से जुड़े कानून में बदलाव की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

- महिला प्रतिनिधिमंडल ने सांसद कुमारी शैलजा को ज्ञापन सौंपा

लिव-इन रिलेशनशिप से जुड़े कानून में बदलाव की मांग को लेकर सर्वजातीय सर्वखाप महिला महापंचायत की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संतोष दहिया के नेतृत्व में महिला प्रतिनिधिमंडल ने सिरसा से सांसद कुमारी शैलजा को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान डॉ. संतोष दहिया ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सामाजिक अधिकारों को ध्यान में रखते हुए लिव-इन रिलेशनशिप से संबंधित कानूनों को अधिक स्पष्ट और जिम्मेदार बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने सांसद से इस विषय को गंभीरता से संसद और सरकार के समक्ष उठाने का आग्रह किया। डॉ. संतोष दहिया ने कहा कि वर्तमान समय में लिव-इन संबंधों के कारण कई बार महिलाओं को कानूनी, सामाजिक और मानसिक असुरक्षा का सामना करना पड़ता है। लंबे समय तक साथ रहने के बाद कई महिलाओं को असहाय छोड़ दिया जाता है, जिससे उनका जीवन संकट में पड़ जाता है। ऐसे मामलों में न केवल महिलाओं के अधिकार प्रभावित होते हैं बल्कि उनसे जन्म लेने वाले बच्चों का भविष्य भी असुरक्षित हो जाता है, इसलिए इन संबंधों को लेकर स्पष्ट और मजबूत कानूनी प्रावधान होना बेहद जरूरी है। इस विषय को लेकर पहले ही देश के प्रमुख संवैधानिक और सामाजिक नेतृत्व को भी अवगत कराया जा चुका है। प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, गृहमंत्री, कानून मंत्री तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत सहित कई प्रमुख नेताओं को ई-मेल के माध्यम से यह मांग भेजी जा चुकी है।

कुरुक्षेत्र। सांसद कुमारी शैलजा को ज्ञापन सौंपता महिला प्रतिनिधिमंडल।

दिव्या व नीतीश राज्य स्तरीय भाषण में अव्वल

अग्रसेन ने दुनिया को समाजवाद दिया

अग्रकुल सेवा संस्थान ने दिव्या व नीतीश को नगदी देकर पुरस्कृत किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत। आर्य कॉलेज के प्राचार्य डॉ. जगदीश गुप्ता के साथ दिव्या व नीतीश, आदि। फोटो : हरिभूमि

अग्रकुल सेवा संस्था द्वारा आयोजित महाराजा अग्रसेन के जीवन पर आधारित राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में आर्य महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कॉलेज का नाम रोशन किया। इस प्रतियोगिता में आर्य कॉलेज की छात्रा दिव्या ने प्रथम व नीतीश ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इधर, अग्रकुल सेवा संस्थान ने दिव्या व नीतीश को नगदी देकर पुरस्कृत किया।

दूसरी ओर, कॉलेज पहुंचने पर प्राचार्य प्रो. डॉ. जगदीश गुप्ता ने दिव्या व नीतीश को शुभकामनाएं व उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि महाराजा अग्रसेन ने दुनिया को समाजवाद देते हुए सद्भावना के साथ जीवन यापन करना सिखाया था। उन्होंने कहा कि आर्य कॉलेज हमेशा से ही अपने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध रहा है। यह उपलब्धि अन्य युवाओं के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। इस अवसर पर समाजसेवी वेदप्रकाश पालीवाल, डॉ. मनीषा डूडेजा, आस्था गुप्ता, डॉ. सोनिया सोनी तथा पंकज चौधरी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय स्तरीय रील मेकिंग में तनीषा प्रथम

पानीपत। आईबी कॉलेज में मार्केटिंग विभाग के तत्वावधान में राष्ट्र स्तरीय ऑनलाइन रील मेकिंग प्रतियोगिता हुई। जिसमें हरियाणा, पंजाब आदि के कॉलेजों विद्यार्थियों ने भाग लिया। वहीं, प्रतियोगिता के विजेताओं फतेहचंद गर्ल्स कॉलेज हिसार की तनीषा प्रथम व भावना द्वितीय, दयाल सिंह कॉलेज करनाल की बोधिता तृतीय रही। जबकि सांत्वना पुरस्कार सागर, महाराजा अग्रसेन कॉलेज, जगाधरी व तान्या आनंद, एपीजे कॉलेज ऑफ फाइन आर्ट्स, जालंधर, पंजाब को मिला। वहीं विजेताओं को प्राचार्य डॉ. सतवीर सिंह, डॉ. पूनम मदान, डॉ. निधि, प्रो. माधवी निशा, मनीत कौर, डॉ. निधि, मनीत कौर, निशा गुप्ता, डॉ. नीतू भाटिया आदि ने नकदी व ऑनलाइन प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

मां-बेटे को पीटने वाले पकड़े

समालखा। पानीपत के गांव महावटी निवासी मां प्रवीण व पुत्र जतिन को डंडों से पीटने के आरोप में इसी गांव के निवासी सोनू उर्फ मैंगो व आर्यन को गिरफ्तार किया है। थानेदार राणा प्रताप ने बताया कि मारपीट के इस केस में हलदाना चौकी में गांव महावटी गांव प्रवीन पत्नी रोहताश की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2), 191(3), 190, 333 के तहत केस दर्ज हैं। इस केस के फरार आरोपियों को पुलिस जल्द ही गिरफ्तार कर लेगी।

जीवन सुरक्षा योजना का लाभ लें

पानीपत। हरियाणा सरकार द्वारा किसानों और खेतिहर मजदूरों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए चलाई जा रही मुख्यमंत्री किसान एवं खेतिहर मजदूर जीवन सुरक्षा योजना जरूरतमंद परिवारों को बड़ी राहत देने वाली योजना है। इस योजना के तहत खेती-बाड़ी या मंडी में काम करते समय किसी दुर्घटना का शिकार होने वाले किसान या मजदूर को सरकार की ओर से आर्थिक सहायता दी जाती है। वहीं पात्र किसान व मजदूर इस योजना का लाभ लें।

वार्षिक एथलेटिक मीट का आयोजन

पानीपत। महर्षि कश्यप राजकीय बहुतकनीकी गांव जाटल में चौथी वार्षिक एथलेटिक मीट का आयोजन हुआ। इस अवसर पर स्पोर्ट्स प्रेसिडेंट जसबीर सिंह, हरदीप, गांव जाटल के सरपंच हरपाल कादियान, प्रधानाचार्य राजीव नरवाल, ने सर्वश्रेष्ठ एथलीट पुरुष वर्ग का खिताब अनुज व सर्वश्रेष्ठ एथलीट महिला वर्ग में अन्नु को प्रदान करते हुए विजेताओं को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर सतविंदर सिंह, प्रवीण कंबोज, देवेन्द्र सैनी, डॉ. गुलशन आर्य आदि उपस्थित रहे।

मोहित मिटान को सम्मानित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

- विश्व गणित दिवस पर यूपीएससी की परीक्षा में 717 वां रैंक हासिल किया

विश्व गणित दिवस पर यूपीएससी की परीक्षा में 717 वा रैंक हासिल करने वाले गांव बडोली निवासी मोहित मिटान को आर्य बाल भारती विद्यालय प्रबंधन समिति की ओर से अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर स्कूल के प्रबंधक सुखबीर आर्य, कोषाध्यक्ष रतन शर्मा, दीपांशु जागलान, सुरेश आर्य, ओमप्रकाश बडोली, मंजू बाला, प्राचार्य डॉ. अशोक आर्य ने मोहित मिटान के पिता ओमप्रकाश मिटान व मां मंजू मिटान को सम्मानित किया।

खबर संक्षेप

स्नैचिंग मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना अंबाला शहर में दर्ज स्नेचिंग के मामले में पुलिस ने संलिप्त आरोपी विशाल कुमार को गिरफ्तार किया है। उसे एक दिन के रिमांड पर लिया गया है। आरोपी ने बतलाया कि सिमरनजीत सिहँ उर्फ सन्नी भी इस मामले में शामिल था । आरोपी सिमरनजीत सिहँ उर्फ सन्नी को भी पुलिस ने दो खंभा चौक से गिरफ्तार किया है । गोविंद विहार के कुलविंद्र सिंह ने 24 दिसबर 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि आरोपी उससे मोबाइल फोन छीनकर भाग गए है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना नारायणगढ़ में दर्ज चोरी के मामले में पुलिस ने आरोपी लल्लु उर्फ धर्मपाल निवासी डेहा कॉलोनी को गिरफ्तार किया है। परिवादी नेक कुमार ने 12 मार्च 2026 को थाना नारायणगढ़ में शिकायत दर्ज करवाई थी कि एक मार्च 2026 को आरोपी लल्लु उर्फ धर्मपाल ने दुकान का शटर तोड़कर 6 हजार रूपये की नकद राशि व अन्य सामान चोरी किया है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार उससे नकद राशि बरामद की है।

हेरोइन मामले में तीसरा आरोपी दबोचा

अंबाला। थाना महेशनगर अंबाला छावनी से दो आरोपियों को नशीले पदार्थ सहित काबू किया था। पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से 45 ग्राम मादक पदार्थ हेरोइन बरामद की गई थी। पुलिस पुछताछ के दौरान पकडे गए आरोपियों ने बतलाया था कि मादक पदार्थ अर्जुन उर्फ कटोरा से लिया था। इसी मामले में सीआईए-1 टीम ने मामले में संलिप्त मुख्य नशा सप्लायर आरोपी अर्जुन उर्फ कटोरा गिरफ्तार कर उसे रिमांड पर लिया गया है। आरोपी आदतन अपराधी है जिसके खिलाफ जुआ, चोरी, आबकारी अधिनियम, एनडीपीएस तथा लड़ाई-झगडे के दर्जनों केस दर्ज हैं।

बिजली-पानी के बिल माफ करवाने पहुंचे लोग

अंबाला। राष्ट्रीय लोक अदालत शनिवार को आयोजन हुआ। राष्ट्रीय लोक अदालत लगने के कुछ देर बाद ही 70 से 100 लोग एडीआर सेंटर में एकत्रित हो गए। अंबाला के कोने-कोने से आए लोगों की मांग थी कि उनकी बिजली पानी और लोन को माफ किया जाए। लोगों को इकट्ठा देख सीजेएम प्रवीण भी एडीआर सेंटर पहुंचे। उन्होंने लोगों को समझाया कि लोक अदालत में बिजली पानी या लोन माफी के केस नहीं देखे जाते हैं। गौरतलब है कि एक अफवाह फैलने के कारण पिछली बार भी ऐसे ही हालात बने थे। तब लोग अदालत तक पहुंच गए थे। सीजेएम ने एक बार फिर लोगों को समझाया है।

अब उपायुक्त करेंगे आपत्तियों पर सुनवाई

अंबाला। नगराधीश अभिषेक गर्ग ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग की नोटिफिकेशन की अनुपालना में नगर निगम के वार्ड नंबर 1 से 20 तक के वार्डों की आरंभिक मतदाता सूचि जारी करने उपरांत 28 फरवरी 2026 से 7 मार्च 2026 तक वीआईसीसी सेंटर पर लगभग 1461 प्राप्त आपत्तियों का निपटान सभी रिवाइजिंग ऑथोरिटी द्वारा कर दिया गया है। रिवाइजिंग ऑथोरिटी द्वारा किए गए निपटान उपरांत यदि किसी मतदाता की कोई आपत्ति/एतराज है, तो अंतिम तिथि 16 मार्च तक उपायुक्त के कार्यालय में फोर्म-डी के माध्यम से अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकता है। डीसी द्वारा आपत्तियों के निपटान की अंतिम तिथि 19 मार्च तक है।

हादसे में प्रवासी युवक की मौत

नारायणगढ़। नेशनल हाईवे पर डेरा के कट के पास तेज रफ्तार कैंटर ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार बिहार निवासी महेश राय (38) की मौत हो गई। जबकि दोस्त अजय घायल हो गया। घायल को तुरंत राहगीरों की मदद से उपचार के लिए अस्पताल में दाखिल करवाया, जहां से अजय को चंडीगढ़ सेक्टर-6 अस्पताल रेफर कर दिया था। पुलिस ने मृतक के पिता गंगा प्रसाद राय की शिकायत पर चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

एसए जैन सीनियर मॉडल स्कूल में समारोह

रंगारंग प्रस्तुतियों से छात्रों ने बटोरी खूब तालियां

लक्ष्य प्राप्ति के लिए पूरी लगन से मेहनत करने के लिए प्रोत्साहित किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

अंबाला शहर के एसए जैन सीनियर मॉडल स्कूल में सीनियर किंडरगार्टन का ग्रेजुएशन डे समारोह बड़े हर्ष और उत्साह के साथ मनाया। स्कूल की एक सहयोगी श्रृंखला विजय वल्लभ जैन इंटरनेशनल स्कूल के किंडरगार्टन ग्रेजुएट्स ने भी शानदार प्रस्तुतियां दीं जिन्होंने इस अवसर में और भी अधिक रौनक और आकर्षण भर दिया। यह कार्यक्रम इन नन्हे विद्यार्थियों की शैक्षिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हुआ, क्योंकि वे अब पूरे आत्मविश्वास के साथ औपचारिक स्कूली शिक्षा की ओर अपने कदम बढ़ा रहे थे। ग्रेजुएशन रोब और कैप पहने ये नन्हे ग्रेजुएट्स बेहद प्यारे लग रहे थे, जिससे वहां का पूरा माहौल गर्व और खुशी से भर गया। इस समारोह की शोभा मुख्य अतिथि अर्चना जैन ने बढ़ाई। अपने प्रेरणादायक संबोधन में उन्होंने विद्यार्थियों को बड़े सपने देखने और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए पूरी लगन से मेहनत करने के लिए प्रोत्साहित किया। उनके प्रेरक शब्दों ने विद्यार्थियों और अभिभावकों, दोनों पर ही एक अमिट छाप छोड़ी। इस अवसर पर उनकी उपलब्धियों को सराहा गया और सीखने के एक नए चरण में उनका स्वागत किया गया। प्रबंध समिति के सम्मानित सदस्यों प्रधान रजत जैन, उपाध्यक्ष डॉ. विनीत जैन, सचिव हितेश जैन, मैनेजर रितेश जैन, कोषाध्यक्ष सुनील जैन, प्रबंध समिति के सलाहकार रविकांत जैन और प्राचार्या डॉ.रेनू गहलावत ने इस शानदार और सुव्यवस्थित कार्यक्रम की सराहना की।

अंबाला। कार्यक्रम में प्रस्तुतियां देते छात्र।

आत्मविश्वास की दिल से सराहना की

विभिन्न प्रकार की रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और रोचक गतिविधियों ने इस उत्सव के माहौल को और भी अधिक जीवंत बना दिया। यह कार्यक्रम ₹आज के छोटे कदम, कल के बड़े सपने₹ की थीम को बखूबी दर्शाता था। अभिभावकों और शिक्षकों ने इन नन्हे कलाकारों के प्रयासों और आत्मविश्वास की दिल से सराहना की, जिससे यह कार्यक्रम सचमुच यादगार बन गया।इस उत्सव का समापन ग्रेजुएट्स के उज्ज्वल भविष्य के लिए दी गई हार्दिक शुभकामनाओं के साथ हुआ।

प्रकृति संरक्षण के लिए किया प्रेरित

हरिभूमि न्यूज ⏭ पंचकूला

मोहाली की प्रोग्रेसिव इंडियन रिसर्च एंड डेवलपमेंट एसोसिएशन द्वारा 12 मार्च 2026 को "सीड्स ऑफ चेंज: ग्रोइंग ग्रीन विद सीड बॉल्स" विषय पर कार्यशाला का आयोजन पीएम श्री गवर्नमेंट हाई स्कूल, देसू माजरा, खरड़, जिला एस.ए.एस. नगर (पंजाब) में किया गया। यह कार्यक्रम पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत पंजाब स्टेट काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (स्टेट नोडल एजेंसी) तथा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से आयोजित किया। इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा उन्हें प्रकृति संरक्षण के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में विद्यालय के 130 विद्यार्थियों और 10 शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यालय की प्रिंसिपल सुश्री कुशविंदर कौर, ईको क्लब समन्वयक सुश्री परमिंदर कौर तथा उपस्थित शिक्षकों ने इस पहल की सराहना की।

विद्यार्थियों ने स्वयं सीड बॉल्स तैयार किए

डॉ. प्रदीप कुमार, प्रिंसिपल श्री सुखमनी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, डेराबस्सी ने विद्यार्थियों को सीड बॉल्स की अवधारणा से परिचित कराया। उन्होंने बताया कि यह बीज रोपण की एक सरल और प्रभावी विधि है, जिसके माध्यम से बड़े स्तर पर पौधारोपण किया जा सकता है। विद्यार्थियों ने स्वयं सीड बॉल्स तैयार किए और जाना कि इन्हें वृक्षारोपण अभियान में कैसे उपयोग किया जा सकता है। इस हैंड्स-ऑन गतिविधि ने विद्यार्थियों में विशेष उत्साह पैदा किया।

जिले में घरेलू गैस का पर्याप्त स्टॉक

अंबाला। जिला में सभी घरेलू गैस उपभोक्ताओं से एक बार प्रशासन की ओर से गैस सिलेंडर की बुकिंग एजेंसी की बजाय मोबाइल फोन व आनलाइन के माध्यम से करवाने की अपील की गई है। जिला खाद्य एवं पूर्ति नियंत्रक निशांत राठी ने आमजन को अफवाहों से बचने, आपसी भाईचारा व धैर्य बनाए रखने बारे कहा तथा अपील की। कहा गैस सिलेंडरों का अनावश्यक भंडारण ना किया जाए। जिला में सभी गैस एजेंसियों पर पर्याप्त मात्रा में घरेलू गैस सिलेंडर की उपलब्धता है। घरेलू गैस सिलेंडर की जमाखोरी को रोकने के लिए तेल कंपनियों द्वारा गैस डिलीवरी के 25 दिन बाद ही नए गैस सिलेंडर की बुकिंग स्वीकार की जा रही है।

नदियों से उठाए जा रहे रेत-मिट्टी को लेकर भड़के किसान

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

ठेकेदारों पर नियम तोड़ने के आरोप, सरकार की नीतियों पर जताया ऐतराज

नदियों से ठेकेदारों की ओर से नियम ताक पर रखकर उठाई जा रही मिट्टी पर किसान भड़क गए हैं। भारतीय किसान यूनियन (शहीद भगत सिंह) ने नई अनाज मंडी में एकत्रित होकर इसका विरोध किया। विभिन्न गांवों के किसानों ने सरकार की नीतियों को पक्षपातपूर्ण बताया। किसानों ने कहा कि यदि उनकी जमीन से मिट्टी उठाई जाती है, तो उन्हें कुल मूल्य का 20 प्रतिशत हिस्सा दिया जाए, अन्यथा काम नहीं होने देंगे। यूनियन के राज्य प्रधान अमरजीत सिंह मोहड़ी और जय सिंह जलबेड़ा ने बताया कि जिले के गांव ललाना व आसपास के क्षेत्रों में टांगरी नदी से मिट्टी उठाई जा रही है। किसानों का आरोप है कि ठेकेदार उनकी सहमति के बिना खेतों में खुदाई कर रहे हैं। मोहड़ी ने कहा, किसानों की कृषि भूमि से मिट्टी उठाना उनकी आजीविका पर सीधा हमला है।

कॉपी लेखन का महत्व बताया

- कॉपी एडिटिंग पर जिला स्तरीय वर्कशॉप का आयोजन किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

गवर्नमेंट पीजी कॉलेज अंबाला छावनी के अंग्रेजी विभाग की तरफ से कॉपी एडिटिंग पर एक दिवसीय जिला स्तरीय वर्कशॉप का आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्रो संजीव कुमार विशिष्ट अतिथि व प्रो गुरप्रीत कौर रिसोर्स पर्सन के तौर पर उपस्थित रही। कार्यवाहक प्रिंसिपल डॉ अंजू जगपाल ने विशिष्ट अतिथि व रिसोर्स पर्सन का कॉलेज पहुंचने पर स्वागत किया। वर्कशॉप में अंबाला के विभिन्न कॉलेजों के अंग्रेजी विभाग के छात्रों ने भाग लिया। वर्कशॉप में छात्रों को प्रकाशन उद्योग में कॉपी लेखन व एडिटिंग के महत्व के बारे में बताया गया।

अंबाला। वर्कशॉप के दौरान मौजूद रहे छात्र। फोटो: हरिभूमि

ये रहे उपस्थित

वर्कशॉप में छात्रों ने रिसोर्स पर्सन से एडिटिंग की बारीकियों के बारे में कई सवाल भी पूछे जिनका विस्तार से निवारण किया। अंग्रेजी विभाग से डॉ. अंजु जगपाल, डॉ. विनोद कुमार, डॉ. गुरविंदर सिंह, डॉ. पूजा गोयल, डॉ. श्रुति सिंह, डॉ. सुनील कुमार,प्रो. सरोजबाला, प्रो. सरोज दूहन, डॉ. दर्शनलाल, डॉ. अभिषेक व डॉ. प्रीति सरीन उपस्थित रहे।

वरिष्ठ नागरिक सभा में नए कमरे की रखी नींव

- कार्यक्रम में नगर पालिका बराड़ा के प्रधान रजत मलिक ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की

हरिभूमि न्यूज ⏭ बराड़ा

लाला लाजपत राय वरिष्ठ नागरिक सभा बराड़ा के प्रांगण में शनिवार को एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका बराड़ा के प्रधान रजत मलिक ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। सभा में पहुंचने पर प्रधान रजत मलिक का पदाधिकारियों व सदस्यों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस दौरान प्रधान रजत मलिक ने सभा परिसर में बनने वाले नए कमरे का विधिवत शिलान्यास किया और निर्माण कार्य की शुरुआत करवाई। बताया गया कि इस नए कमरे के निर्माण से वरिष्ठ नागरिकों को बैठने, आपसी चर्चा करने और सामाजिक गतिविधियों के आयोजन के लिए अतिरिक्त स्थान उपलब्ध हो सकेगा।

बराड़ा। मलिक का स्वागत करते हुए सभा सदस्य। फोटो: हरिभूमि

ये रहे मौजूद

सभा के प्रधान नरेश गर्ग ने मुख्य अतिथि रजत मलिक व अन्य अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि रजत मलिक का संस्था को हमेशा सहयोग मिलता रहा है, जिससे सभा के सामाजिक कार्यों को आगे बढ़ाने में मदद मिलती है। इस मौके पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए रजत मलिक ने कहा कि बुजुर्ग समाज की अमूल्य धरोहर हैं और उनकी सुविधा का ध्यान रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि पहले की तरह आगे भी सभा के विकास कार्यों और अन्य आवश्यकताओं के लिए पूरा सहयोग दिया जाएगा। कार्यक्रम में सभा के पदाधिकारी, सदस्य तथा शहर के अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। उपस्थित लोगों ने इस विकास कार्य की सराहना की।

युवतियों को स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित किया

- पांच दिवसीय व्यावसायिक प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मार्गदर्शन में कृषि विज्ञान केंद्र अंबाला शहर द्वारा जिले की अनुसूचित जाति की युवतियों को स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करने के लिए बेकरी- उत्पाद तथा सिलाई व कटाई को तकनीक पर पांच दिवसीय व्यावसायिक प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया गया। केन्द्र की वरिष्ठ संयोजक श्रीमती सुनीता आहूजा ने बताया की ग्रामीण महिलाओं के लिए इस अवधि के दौरान दो तरह के शिविरों का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के बाद ग्रामीण महिलाएं सिलाई व कटाई की तकनीक का नवीकरण कर व उसे डिजाइनिंग के साथ जोड़कर, इस कला को रोजग़ार के रूप में अपना सकती हैं। इसके अलावा बैग, एप्रेन, डिजाइनर क्यूशन व तकिया कवर बनाकर उन्हें कढ़ाई कला तथा ब्लॉक प्रिंटिंग को साथ जोड़कर कुछ अलग कर अपनी पहचान बना सकती हैं। केंद्र के वरिष्ठ विस्तार विशेषज्ञ (बागवानी) डॉ देवेंद्र चहल ने बताया कि इस अवधि के दौरान महिलाओं को बेकरी से जुड़े उत्पादों के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ केक, बिस्कुट, नमकीन, पास्ता, मोमोज व डोकला इत्यादि बनाने की विधि के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

अंबाला। शिविर में मौजूद महिलाएं व अन्य। फोटो: हरिभूमि

प्रेरित किया

पूर्ण विस्तार निदेशक डॉ बलवान सिंह मंडल ने युवतियों को बेकरी, सिलाई-कटाई एवं फल व सब्जियों को संरक्षित कर स्व-रोजगार के रूप में अपने के लिए प्रेरित किया। इन शिविरों में सिलाई-कटाई के लिए सरोज बाला , रजविंदर एवं सुनीता देवी ने बतौर मुख्य परिक्षक तथा बेकरी में केक आर्टिस्ट पायल जैन व उधमिता रेनू ने विशेष परीक्षक के तौर पर भाग लिया।

कर्मचारी से 4.74 लाख रुपये लूटे

- दो बाइकों पर आए चार युवकों ने रास्ता रोक किया हमला, पैसों से भरा बैग छीनकर फरार

हरिभूमि न्यूज ⏭ मुलाना

देर शाम मोटरसाइकिल सवार चार नकाबपोश बदमाशों ने एक व्यक्ति से करीब 4.74 लाख लूट लिए। पीड़ित व्यक्ति विभिन्न वित्तीय कंपनियों का कैश बैंक में जमा करवाने का काम करता था। आरोपी वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। पीडित ने डायल 112 को सूचना दी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव साबापुर के खुशी राम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह पिछले करीब पांच वर्षों से यहां स्थित मुथूट माइक्रोफिन फाइनेंस, उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक और चेतन्या फाइनेंस साहा का रोजाना कैश शाम के समय भारतीय स्टेट बैंक की सीडीएम मशीन में जमा करवाने का काम करता है। शाम को उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक में कार्यरत कर्मचारी रजत रोज की तरह बैंक का कैश उसे देकर गया था। जब खुशी राम ने मुथूट माइक्रोफिन फाइनेंस और उज्जीवन बैंक का कैश मिलाकर देखा तो कुल रकम 4,74,050 रुपये निकली। इसके बाद वह कैश जमा करवाने के लिए एसबीआई की सीडीएम मशीन पर गया लेकिन मशीन बंद हो चुकी थी। इसलिए वह पूरा कैश अपने पिट्ठू बैग में रखकर बाइक पर सवार होकर अपने गांव साबापुर की ओर जा रहा था। जब वह दोसड़का के पास रेस्ट हाउस के नजदीक होली गांव की ओर जाने वाली सड़क पर पहुंचा तो दो मोटरसाइकिलों पर सवार चार युवकों ने उसका रास्ता रोक लिया। सभी युवकों ने अपने चेहरे ढके हुए थे। बदमाशों ने उसकी मोटरसाइकिल के आगे अपनी बाइक लगाकर उसे रोक लिया था।

आसपास की सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही

मुलाना थाना प्रभारी प्रमोद कुमार ने बताया कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। आसपास की सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है। आरोपियों को बख्शा नहीं जाएगा। जल्द ही गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे डाला जाएगा।

सिविल के 383 व बैंक रिकवरी के 925 मामलो में भी बनी सहमति

अंबाला: लोक अदालत में 23536 केसों का निपटान, अपराध के 997 मामले भी निपटे

- राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार आज राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार आज राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव श्री प्रवीन ने बताया की लोगों के लंबित मामलों का निपटारा करने के लिए समय समय पर लोक अदालतों का आयोजन किया जा रहा है। इस कड़ी में आज राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया है, जिसके लिए जिला न्यायालय अंबाला में तथा सब डिवीजन नारायणगढ़ में अमित शर्मा, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, अभिलाषा सपरा कोहली, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश व प्रिंसिपल जज फैमिली कोर्ट, गीतांजली गोयल, सीजेएम, सचिन कुमार, रेलवे कोर्ट, चिनार बाघला, सिविल जज, पवनदीप कौर, सिविल जज, अंबाला व चेतेश गुप्ता, अतिरिक्त सिविल जज नारायणगढ़ की कुल 7 बेंचों का गठन किया गया था।

अंबाला। लोक अदालत में विभिन्न मामलों की सुनवाई करते न्यायिक अधिकारी।

हेल्प डेस्क स्थापित किया

लोक अदालत में वैवाहिक एवं पारिवारिक मामले के 121 मामले आपराधिक के 997 मामले, दीवानी (सिविल) 383 मामले एव बैंक रिकवरी के 925, एनआईए एक्ट 624 और 50541793 राशि का भुगतान और कुल 23536 मामलों का निपटारा किया गया। इस कड़ी में जिला न्यायालय में हेल्प डेस्क भी स्थापित किया गया है ताकि लोगों तक इसकी अधिक से अधिक जानकारी पहुंच सके और ज्यादा से ज्यादा लोग इस लोक अदालत का फायदा ले सकें।

कोई भी बीमित किसान पॉलिसी से वंचित न रहे

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

15 तक चलेगा मेरी पॉलिसी मेरा हाथ अभियान

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत मेरी पॉलिसी मेरे हाथ अभियान चलाया जा रहा है। यह 15 मार्च 2026 तक चलेगा। इस विशेष अभियान का उद्देश्य किसानों को उनकी फसल बीमा पॉलिसी घर-घर पहुंचाकर उपलब्ध कराना है, ताकि प्रत्येक पात्र किसान को अपनी बीमा पॉलिसी की स्पष्ट जानकारी मिल सके। उप कृषि निदेशक जसविंद्र सैनी ने बताया कि मेरी पॉलिसी मेरे हाथ अभियान का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी बीमित किसान अपनी पॉलिसी से वंचित न रहे तथा फसल क्षति की स्थिति में समय पर दावा कर सके। जिला में विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी गांव-गांव जाकर किसानों को उनकी बीमा पॉलिसी की प्रति सौंपेंगे तथा योजना की शर्तों, कवरेज, प्रीमियम राशि, दावा प्रक्रिया एवं समय-सीमा की जानकारी देंगे। अभियान के माध्यम से किसानों को पारदर्शिता सुनिश्चित करते हुए उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाएगा। उन्होंने किसानों से अपील की है कि वे इस अवधि के दौरान अपने संबंधित कृषि अधिकारियों से संपर्क बनाए रखें तथा अपनी पॉलिसी प्राप्त कर उसकी जानकारी अवश्य जांच लें।

विशेषः विश्व खुशी दिवस, 20 मार्च

कभी दूर ना हो मन-जीवन से खुशी

आज के दौर में लोगों के पास सुख-सुविधाओं की कमी नहीं है, आर्थिक विकास भी हो रहा है, लेकिन फिर भी वास्तविक खुशी बहुत कम ही लोग महसूस कर पाते हैं। खुशी कोई चीज नहीं है, जिसे पैसा, सुख, सुविधाओं से पाया जा सकता है। खुशी तो जीवनशैली है। इसे महसूस करने के लिए अपनी सोच और जीने के अंदाज में बदलाव करना होगा।

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

वर्तमान में इंसान जितनी सुख-सुविधाओं के संग जी रहा है, अब के पहले किसी भी दौर में इसकी कल्पना तक नहीं की गई थी। लेकिन हैरानी की बात यह है कि इंसान फिर भी खुश नहीं है। साल 2012 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने भी इस बात पर गहराई से सोचा और खुशी की भूटान द्वारा तय की गई अवधारणा को न केवल वास्तविक खुशी के रूप में मान्यता दी बल्कि दुनिया भर को इस तरह की खुशी हासिल करने की दिशा में प्रेरित करने के लिए 20 मार्च को अंतरराष्ट्रीय खुशी दिवस मनाए जाने की घोषणा भी की।

भूटान ने बताया जीएनएच का महत्व

संयुक्त राष्ट्र संघ ने विश्व खुशी दिवस मनाने के संबंध में निर्णय लेते हुए यह माना कि आर्थिक विकास के साथ-साथ लोगों की खुशी और कल्याण की वैश्विक नीतियों का लक्ष्य ही वास्तविक खुशी होती है। इसकी बुनियाद में भूटान की जो खुशी संबंधी अवधारणा थी, वह खुशी को सकल घरेलू उत्पाद के रूप में मान्यता देने की थी। भूटान ने वास्तव में जीडीपी की जगह जीएनएच यानी 'ग्रॉस नेशन हैप्पीनेस' की अवधारणा प्रस्तुत की थी। संयुक्त राष्ट्र ने इसे विश्व स्तर पर स्वीकार्य बनाने के लिए ही 20 मार्च को वैश्विक खुशी के दिन के रूप में मान्यता दी और तब से हर साल यह दिन मनाया जाता है।

ऐसे बनती है हैप्पीनेस रिपोर्ट

विश्व खुशी दिवस के मौके पर हर साल वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट जारी की जाती है, जिसमें दुनिया के अलग-अलग देशों के लोगों की कुछ निश्चित पैमानों के मुताबिक उनकी खुशी का आकलन किया जाता है। इस पैमाने के तहत खुशी के लिए जो मानक तय किए जाते हैं, उसमें किसी व्यक्ति के लिए मौजूद सामाजिक समर्थन, उसकी आय और उसका जीवन स्तर, स्वास्थ्य और जीवन प्रत्याशा, व्यक्तिगत आजादी, उस देश और समाज में भ्रष्टाचार का स्तर, वहां के लोगों के बीच आपसी विश्वास और जीवन संबंधी उदारता को पैमाना बनाया जाता है। इस रिपोर्ट के अनुसार पिछले कई सालों से दुनिया के सबसे खुश देशों में फिनलैंड, डेनमार्क, आइसलैंड और स्वीडन जैसे देश लगातार शीर्ष पर बने हुए हैं, क्योंकि इन देशों में बेहतर सामाजिक सुरक्षा, संतुलित जीवनशैली और सामुदायिक विश्वास को खुशहाली का मुख्य कारण माना जाता है। दुर्भाग्य से हमारे अपने देश की स्थिति इस रिपोर्ट में अपेक्षाकृत काफी नीचे रही है। इससे स्पष्ट होता है कि वास्तव में खुशी पाने के लिए आर्थिक विकास के साथ-साथ सामाजिक और मानसिक संतुलन पर भी ध्यान देना जरूरी है।

खुशी दिवस मनाने का उद्देश्य

विश्व खुशी दिवस केवल एक औपचारिक उत्सव भर नहीं है। यह आधुनिक जीवन की कई गंभीर समस्याओं की ओर ध्यान दिलाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक दुनिया में आज करोड़ों लोग तनाव, अवसाद और चिंता जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। आधुनिक जीवन में प्रतिस्पर्धा, नौकरी के दबाव, आर्थिक चिंताएं और सामाजिक अपेक्षाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। ऐसे माहौल में खुशी और मानसिक संतुलन को प्राथमिकता देना बेहद जरूरी हो गया है। चूंकि आज सफलता को लोग पद, पैसा और प्रतिष्ठा से जोड़ते हैं। ऐसे में विश्व खुशी दिवस हमें याद दिलाता है कि जीवन की यह वास्तविक सफलता, मानसिक संतोष और रिश्तों की गर्माहट में ही होती है।

असंतोष से दूर हो रही खुशी

देखने में आता है कि सोशल मीडिया की वजह से पहले की तुलना में लोग आपस में कहीं ज्यादा जुड़े रहते हैं। लेकिन हकीकत यह है कि लोगों के बीच से सामाजिक संबंध आज बेहद कमजोर हो गए हैं। अकेलापन आज कई देशों में एक बड़ी सामाजिक समस्या बन चुका है। ऐसे में यह खुशी दिवस हमें परिवार, मित्रों और समाज के साथ वास्तविक जुड़ाव की अहमियत बताता है। किसी देश-समाज में चाहे जितना भी आर्थिक विकास हो गया हो, लेकिन अगर वहां लगातार तनाव रहता है, लोग अनेक किस्म के असंतोषों के साथ जी रहे होते हैं, तो वह विकास अधूरा ही कहलाएगा। इसलिए आज कई अर्थशास्त्री तथा नीति-निर्माता जीवन की गुणवत्ता को विकास का महत्वपूर्ण मापदंड मानते हैं। यही वजह है कि आज की तेज रफ्तार जीवनशैली में लोगों के पास जीवन जीने के साधन चाहे जितने बढ़ गए हों, लेकिन वह खुशी के मामले में अतीत से काफी पिछड़े हुए हैं।

प्रकृति से दूरी ने कम की खुशी

यकीनन, मोबाइल फोन ने हमारे रोजमर्रा के जीवन के काम-काज को तो आसान बनाया है, लेकिन इसकी वजह से लगातार हम जितने ज्यादा लोगों के संपर्क में रहते हैं, हमारे असंतुष्ट और तनावग्रस्त होने की उतनी ही अधिक आशंका मौजूद रहती है। आज दुनिया के 97 फीसदी से ज्यादा लोग किसी न किसी वजह से अपने आपको इतिहास के किसी भी दूसरे समय के मुकाबले कहीं ज्यादा व्यस्त पा रहे हैं। यही कारण है कि आज दुनिया में आधे से ज्यादा लोगों का प्रकृति के साथ पहले जो सीधा रिश्ता हुआ करता था, वह रिश्ता पूरी तरह से खत्म हो गया है। जिन लोगों का थोड़ा बहुत रिश्ता बचा भी है, वह बेहद औपचारिक तथा लेन-देन का हो गया है। प्रतिस्पर्धा की लगातार बढ़ती आदत हमें प्राकृतिक रूप से खुश नहीं रहने देती है। ऐसे में इस खुशी दिवस के मौके पर हर किसी को यह अपने मन में गांठ बांध लेनी चाहिए कि जीवन की असली सफलता और उपलब्धियां कहीं पहुंच जाना भर नहीं है बल्कि कहीं पहुंचकर भी खुश और संतुलित जीवन बिताना ही सही मायनों में जिंदगी की समग्र खुशी है। *

हमारे भीतर होते हैं खुशी के रसायन

आधुनिक मनोविज्ञान काफी पहले यह साबित कर चुका है कि खुशी को केवल भावनात्मक अनुभव ही नहीं बल्कि मानसिक और जैविक प्रक्रिया भी समझा जाता है। जब हम खुश होते हैं तो वैज्ञानिकों के मुताबिक हमारे शरीर में से कई महत्वपूर्ण रसायनों का स्राव होता है, जैसे डोपामाइन जो हमें प्रेरणा और आनंद की स्थिति में ले जाता है। सेरोटोनिन, जो मन को स्थिर और संतुलित बनाए रखता है। इसी क्रम में ऑक्सीटोसिन एक ऐसा रासायनिक स्राव है, जो हममें सामाजिक संबंधों और विश्वास से जुड़े हार्मोन पैदा करता है, जिससे कि हम खुश रहते हैं और एक-दूसरे के प्रति लगाव महसूस करते हैं। इसी तरह एंडोर्फिन भी इसी क्रम का एक हार्मोन है, जो खुश रहने पर हमारे शरीर में पैदा होता है और जिससे हम अपने दर्द को कम करने व खुशी को बढ़ाने में कामयाब होते हैं।

जीवनशैली
शिखर चंद जैन

वैसे तो खुशी पाने के लिए अपने स्तर पर आप हर संभव प्रयास करते ही होंगे। लेकिन यहां हम कुछ ऐसे छोटे-छोटे आसान और नायाब तरीकों के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आपको जिंदगी में भरपूर खुशी हासिल होगी।

आपको खुशियों से भर देंगे ये आसान-नायाब तरीके

इस दुनिया का हर इंसान खुशी हासिल करना चाहता है। लोग खुशी के लिए न जाने कितने जतन करते हैं। लेकिन कई बार खुशी बड़ी-बड़ी चीजों से नहीं मिल पाती बल्कि छोटी-छोटी सी कोशिशों से मिल जाती है।

इमेजिनेशनः केवल 30 सेकेंड के लिए कल्पना करें कि जो चीजें आपके पास हैं (जैसे आपका घर, पसंदीदा डिवाइस या कोई प्यारा रिश्ता) वो आपके पास नहीं हैं। इनकी अनुपस्थिति वाली स्थिति से जब आप हकीकत में लौटेंगे और अपने पास इन चीजों को पाएंगे तो आपको उन चीजों के होने की असली खुशी भीतर तक महसूस होगी।

भविष्य के नाम खतः आने वाले कुछ वर्षों बाद जैसे जीवन की चाहत आप करते हैं, उसको ध्यान में रखते हुए 'स्वयं' को अपनी आज की खुशियों और सपनों के बारे में एक पत्र लिखें और उसे छिपा दें। जब कभी आप उसे पढ़ेंगे, खुशी मिलेगी।

पुराने किस्सों का पिटाराः बचपन की सुखद यादें या परिवार के साथ बिताई गई छुट्टियां 'हैप्पीनेस एंकर' की तरह काम करती हैं, जो भविष्य में कठिन समय आने पर हमें सहारा देती हैं। परिवार या पुराने दोस्तों को फोन करें और पुरानी यादें ताजा करें। अच्छी यादें दिल और दिमाग को सुकून देती हैं। बुजुर्गों से उनके चटपटे अनुभव और सीख देने वाली दिलचस्प कहानियां सुनना भी सुकून देता है।

साइलेंट डिस्को पार्टीः घर पर अकेले या परिवार के साथ हेडफोन लगाकर अपनी पसंद के गानों पर कुछ देर नाचें। इससे बिना किसी शोर-शराबे के तनाव कम होगा, मूड अच्छा होगा और आपको खुशी मिलेगी।

बच्चों वाली शरारतेंः जब कभी मन करे चॉक लेकर स्लेट पर या पेन, पेंसिल से कॉपी में कुछ मजेदार चित्र बनाएं या हॉप-स्कॉच (पकड़ा-पकड़ी) जैसा कोई खेल खेलें। अपने 'इनर चाइल्ड' को बाहर लाना खुशी का बेहतरीन स्रोत है। कभी-कभी बच्चों की तरह बिना किसी खास वजह के जोर से हंसने की कोशिश करें। यह शरीर में एंडोर्फिन हार्मोन रिलीज करता है, इससे मूड तुरंत हैप्पी फील करता है।

पास्ट-सेल्फ को 'थैंक यू' कहेंः केवल भविष्य की चिंता करने की बजाय, हर हफ्ते कुछ मिनट निकालकर अपने 'पुराने स्वरूप' को धन्यवाद दें। अपने पुराने स्वरूप को धन्यवाद कहना खुद से जुड़ने और अपनी प्रगति को सराहने का एक खूबसूरत तरीका है। जैसे मुश्किल समय में डटे रहने के लिए, सही चुनाव करने के लिए, सीखने और बढ़ने के लिए, खुद पर विश्वास रखने के लिए, धैर्य के लिए।

द मिस्टेक सेलिब्रेशनः जब आपसे कोई छोटी गलती हो जाए, तो उस पर झुंझलाने के बजाय मुस्कुराएं और कहें, 'वाह, एक और सीख मिली!' अपनी गलतियों को उत्सव की तरह देखने से तनाव कम होता है।

नकली मुस्कान का जादूः विज्ञान कहता है कि भले ही आप अंदर से खुश न हों, लेकिन शीशे में देखकर जबरदस्ती मुस्कुराने से दिमाग में खुशी वाले न्यूरोकेमिकल्स रिलीज होते हैं। इससे खुशी का अहसास होता है। इसे 'फेक इट टिल यू मेक इट' कहते हैं।

मिट्टी से जुड़ावः नंगे पैर मिट्टी या घास पर चलें। यह शरीर की इलेक्ट्रिकल ऊर्जा को संतुलित करता है और मन को शांत-खुश रखने में मदद करता है।

घर की सजावट बदलेंः अपने रहने की जगह को व्यवस्थित करें। साफ-सुथरा और सजा हुआ घर मानसिक शांति और खुशी देता है।

पेड़ों-पक्षियों को निहारनाः पेड़-पौधों और पशु-पक्षियों को निहारना मन को सुकून देता है। केवल एक मिनट के लिए किसी ऊंचे पेड़ को ऊपर की ओर देखें। यह आपको रोजमर्रा की भाग-दौड़ में ठहरने और प्रकृति से जुड़ाव महसूस कराएगा। किसी पार्क में बैठें और बस पक्षियों की चहचहाहट और हरकतों पर ध्यान दें। शोध बताते हैं कि पक्षियों के संग समय बिताने से खुशी मिलती है।

वर्क प्लेस के लिएः ऑफिस में तनाव को कम करने और छोटी-छोटी खुशियां ढूंढ़ने के लिए अपनी डेस्क पर ऐसी चीजें रखें, जो आपको मुस्कुराने पर मजबूर कर दें, जैसे कोई मजेदार मैग्नेट, छोटा पौधा या अपनी पसंदीदा वैकेशन की फोटो। बोरियत या स्ट्रेस के समय, दिन भर की छोटी-छोटी उपलब्धियों को लिखें। यह आपको एहसास कराएगा कि आप प्रगति कर रहे हैं। हर एक घंटे में 2-3 मिनट के लिए अपनी सीट से उठें। गहरी सांस लें या बस थोड़ा चलें, इससे दिमाग को ताजगी-खुशी मिलती है। *

लघुकथा / रंजना जायसवाल

राजा बेटा

आज सुबह से माया को अपने बेटे विक्रम की बहुत याद आ रही थी। उसे आज भी वह दिन याद है, जब वह उसका आंचल पकड़े दिन भर इधर से उधर घूमता रहता था। उसकी इस हरकत पर उसका नाम ही पड़ गया था पिछलग्गू। पर वक्त के साथ कितना कुछ बदल गया था। बगल वाली शुक्ला भाभी अपने दो छोटे बच्चों को छोड़ जब इस दुनिया से चली गई थीं। कितना डर गया था विक्रम। कहीं उसकी मां भी शुक्ला आंटी की तरह...।

उनके बच्चे बार-बार यही कहकर रो रहे थे, 'अब हम बिल्कुल शैतानी नहीं करेंगे, मां आप वापस आ जाओ।' बेचारे कहां जानते थे उनकी मां तो ऐसी दुनिया में चली गई थीं जहां से कोई लौटकर नहीं आता। विक्रम ने सहम कर पूछा था, 'मां! आप तो मुझे छोड़कर कहीं नहीं जाएंगी न'

'तुझे छोड़कर भला मैं कहां जा सकती हूं। तू तो मेरा राजा बेटा है।'

माया ने विक्रम के भोले चेहरे को पुचकारते हुए कहा था। 'और मां आप? राजा की मां तो रानी मां हुई न' वह खिलखिला कर हंस पड़ी थीं, 'हां बिल्कुल।'

'रानी मां कहां रहती हैं?' विक्रम के सवाल खत्म होने को नहीं आते थे। 'वोवो तो महलों में रहती हैं, अपने राजा बेटे के साथ।'

'मैं भी आप के साथ महलों में रहूंगा' विक्रम खुशी से चिल्ला पड़ा था, उसकी इस हरकत से उनकी आंखें भर आईं थीं। तभी एक तेज आवाज से माया की तंद्रा टूटी। वह वर्तमान में लौटी। उसकी नजर आश्रम के बोर्ड पर पड़ी जहां बड़े-बड़े अक्षरों में लिखा था 'वृद्धाश्रम।'

वह मन ही मन बुदबुदाई, 'राजा बेटे ने तो रानी मां के साथ रहने का वायदा किया था पर वह उन्हें यहां छोड़कर क्यों चला गया?' *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

मर्मस्पर्शी लघुकथाएं

पुस्तकः महानगर में मौत, **लेखकः** अखिलेश श्रीवास्तव चमन, **मूल्यः** 225 रुपए, **प्रकाशकः** न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली

वरिष्ठ साहित्यकार अखिलेश श्रीवास्तव चमन का नया लघुकथा संग्रह 'महानगर में मौत' कुछ समय पूर्व छपकर आया है। इसमें कुल जमा 55 लघुकथाएं संकलित हैं। ये लघुकथाएं अपने छोटे कलेवर में भी जीवन से जुड़े तमाम पहलुओं की श्याम-श्वेत छवियां उजागर करती हैं। महानगरीय जीवनशैली ने किस तरह हमें संवेदनशून्य बना दिया है और हमारे रिश्तों में से भावनात्मक जुड़ाव छीजता जा रहा है, इसकी बानगी 'महानगर में मौत' और 'बीमारी' लघुकथाओं में देखी जा सकती है। हमारे समाज में सांप्रदायिकता और जातिवाद आज भी किस कदर हावी है और इस मानसिकता का स्वार्थी लोग कैसे दुरुपयोग करते रहते हैं, इसे प्रभावी तरीके से 'राजनीति' और 'इंटरव्यू' में पढ़ सकते हैं। 'अजूबा' और 'गाली' जैसी कुछ लघुकथाओं में लेखक ने आज के दौर की जीवनशैली और नेताओं पर कटाक्ष किया है। कह सकते हैं कि ये लघुकथाएं हमारे समय के विद्रूप को मार्मिकता से व्यक्त करती हैं। *

व्यंग्य / पंकज प्रसून

घर पहुंचा विश्व युद्ध!

कल दोपहर किचन में दाल पक रही थी। जैसे ही कुकर की सीटी बजी, मैं डाइनिंग टेबल के नीचे दुबक गया। मुझे लगा ईरान ने इजराइल के चक्कर में मिसाइलें इधर ही दाग दी हैं और अब अगला सायरन साक्षात यमराज ही बजाएंगे।

आजकल मेरी रीढ़ की हड्डी के स्थान पर 55 इंच का एक एलईडी पैनल फिट हो चुका है, जिस पर चौबीसों घंटे ब्रेकिंग न्यूज का हड़कंप मचा रहता है। मेरा हाल यह है कि मैं अपने घर के सोफे के बजाय एक अभेद्य बंकर में विराजमान होता हूं। शाम के सात बजने पर जैसे ही न्यूज चैनल चालू होता है, मेरे ड्राइंग रूम में भी जैसे तीसरे विश्व युद्ध का आगाज हो जाता है। एंकर महोदय इस तरह चिल्लाते हैं मानो मिसाइल का पिछला हिस्सा उन्हीं के स्टूडियो में रखा हो और वे बस माचिस दिखाने ही वाले हों। उनके चिल्लाने की आवृत्ति इतनी तीव्र होती है कि घर की छिपकलियां तक सरेंडर कर देती हैं।

मेरी इंद्रियों का पूरी तरह सैन्यीकरण हो चुका है। कल दोपहर किचन में दाल पक रही थी। जैसे ही कुकर की सीटी बजी, मैं डाइनिंग टेबल के नीचे दुबक गया। मुझे लगा ईरान ने इजराइल के चक्कर में मिसाइलें इधर ही दाग दी हैं और अब अगला सायरन साक्षात यमराज ही बजाएंगे। पत्नी ने तंज कसा, 'उठिए महाराज, यह कोई 'आयरन डोम' फेल होने की आवाज होने से रही, अरहर की दाल है, तीन सीटी में गलती है।' मगर उसे क्या पता कि जिसे वह दाल कहती है, मुझे उसमें बारूद की गंध आती है। शाम को पड़ोस का बच्चा छत पर पतंग उड़ा रहा था, नीले आसमान में वह लाल पतंग मुझे साक्षात किलर-ड्रोन नजर आई। मैं वहीं बालकनी में लेट गया और रेंगते हुए अंदर आया। मुझे पूरा यकीन था कि यह पतंग महज कागज का टुकड़ा होने के बजाय मोसाद द्वारा भेजा गया कोई सर्वेक्षण यान है, जो मेरी फटी हुई बनियान की जासूसी कर रहा है।

फेसबुक खोलता हूं तो लगता है कि देश का हर वह व्यक्ति, जिसके पास डेढ़ जीबी का डेटा पैक है, वह व्हाइट हाउस का मुख्य सलाहकार बना बैठा है। जिस आदमी को यह पता तक है कि पड़ोस की गली में नाली क्यों जाम है, वह भी फेसबुक पर दुनिया का नक्शा लेकर समझा रहा है कि ईरान को मिसाइलें किस एंगल से छोड़नी चाहिए थीं। हमारे मित्र वर्मा जी, जो मोहल्ले की क्रिकेट टीम में 'एक्स्ट्रा' खिलाड़ी बनने के लायक भी नहीं समझे जाते, फेसबुक पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ बने घूम रहे हैं। उन्होंने पोस्ट डाली है- 'अगर मैं नेतन्याहू की जगह होता, तो अब तक बटन दबा चुका होता।' नीचे उनके साढ़ू ने कमेंट किया है, 'भाई साहब, पहले सुबह मोटर चलाकर पानी तो भर लिया कीजिए, भाभी चिल्ला रही हैं।' न्यूज चैनलों पर बैठने वाले रक्षा विशेषज्ञ तो और भी अद्भुत हैं। वे ऐसे चहकते हैं जैसे युद्ध के बजाय गांव का मेला चल रहा हो। एक रिटायर्ड सैन्य अधिकारी ने पेन उठाकर नक्शे पर ऐसी लकीर खींची जैसे वे स्कूल में बच्चों को 'क' से कबूतर सिखा रहे हों। उन्होंने कहा, 'देखिए, यहां से मिसाइल जाएगी और सीधे किचन में गिरेगी।' मैंने डर के मारे चाय का कप नीचे रख दिया, कहीं मिसाइल मेरी चाय में ही लैंड न कर जाए।

ऑफिस से घर लौटकर चैन की उम्मीद थी, मगर वहां द्विपक्षीय वार्ता पहले ही विफल हो चुकी थी। पत्नी ने पूछा, 'सब्जी लाए?' मैंने कहा, 'युद्ध के कारण वैश्विक बाजारों में उतार-चढ़ाव है, टमाटर की कीमतों ने बैलिस्टिक मिसाइल की गति पकड़ ली है।' पत्नी का पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया। उसने जो 'वाक-युद्ध' शुरू किया, उसके सामने न्यूज चैनल के एंकर भी पानी भरें। उसने कहा, 'ये जो चौबीस घंटे टीवी देखते हो, इससे दिमाग का सॉफ्टवेयर करप्ट हो गया है। घर में गृहयुद्ध की स्थिति है और तुम्हें ईरान-इजराइल की चिंता है।' झगड़ा बढ़ा तो उसने बेलन हाथ में उठा लिया। उस क्षण मुझे अहसास हुआ कि असली हाइपरसोनिक वेपन तो यही है। मैंने तुरंत युद्धविराम की घोषणा कर दी। बिना शर्त माफी मांगना ही सबसे सुरक्षित डिफेंस सिस्टम है।

रात को जब टीवी बंद करता हूं और सन्नाटा छाता है, तो दिल के किसी कोने में एक सिहरन दौड़ जाती है। टीवी के पर्दे पर जो आग दिखती है, वह दूर किसी के घर को सचमुच राख कर रही होती है। आसमान में उड़ती पतंग जब ड्रोन लगने लगे और कुकर की सीटी सायरन बन जाए, तो समझ लेना चाहिए कि युद्ध केवल सीमाओं पर लड़े जाने के बजाय हमारे दिमागों के भीतर घुसकर बमबारी कर रहा है। हम सब एक ऐसे 'वॉर जोन' में जी रहे हैं, जहां शांति एक ब्रेकिंग न्यूज बनकर रह गई है और हमारी संवेदनाएं कहीं मलबे में दबी पड़ी हैं। मिसाइल शायद मेरे घर पर गिरने से रही, मगर उस डर की मिसाइल ने मेरे सुकून को तो जख्मी कर ही दिया है। टीवी का रिमोट हाथ में है, पर जीवन का कंट्रोल शायद उन लोगों के हाथ में है, जो युद्ध की कमेंट्री बेचकर अपना घर चला रहे हैं। *

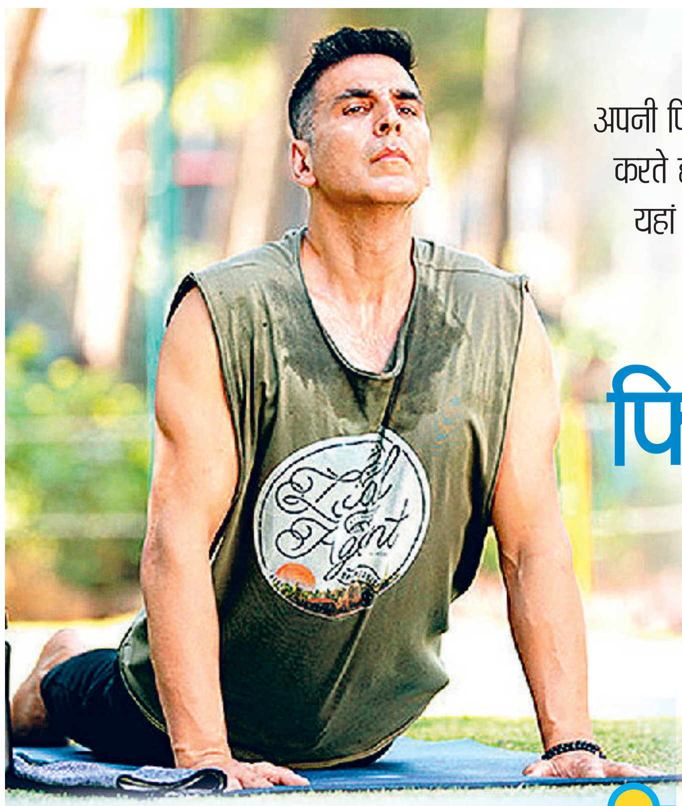

{ सेलेब्स लाइफस्टाइल / दिव्यज्योति 'नंदन' }

अपनी फिजिकल और मेंटल फिटनेस के लिए कई बॉलीवुड सेलिब्रिटीज योग का अभ्यास करते हैं। अच्छी बात यह है कि उनसे इंस्पायर होकर उनके फैंस भी योगा करते हैं। यहां बता रहे हैं, कुछ योगा लवर स्टार्स और उनके फेवरेट योगासनों के बारे में।

इन बॉलीवुड सेलिब्रिटीज की फिटनेस का राज है योग

शिल्पा शेट्टी योग रखे फिजिकली-मेंटली फिट

बॉलीवुड और नए जमाने की महिलाओं में योग को लोकप्रिय बनाने में शिल्पा शेट्टी का बड़ा योगदान है। शिल्पा शेट्टी अपनी योग गतिविधियों की सीडी और डीवीडी बनाया करती थीं। अब वे सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस को योगा के लिए इंस्पायर करती हैं। आज भी पूरी तरह से फिट शिल्पा शेट्टी आमतौर पर हठ योग, पावर योग और फ्लैक्सिबिलिटी बेस्ड आसनों पर विशेष ध्यान देती हैं। शिल्पा शेट्टी जिन योगासनों को नियमित तौर पर करना पसंद करती हैं, उनमें शीर्षासन, नौकासन, धनुरासन और त्रिकोणासन शामिल हैं। शिल्पा शेट्टी का मानना है कि योग केवल आपको शारीरिक रूप से ही फिट नहीं रखता बल्कि मानसिक तौर पर भी स्वस्थ बनाता है। *

अक्षय कुमार योग बनाता है मजबूत-ऊर्जावान

अक्षय कुमार को बॉलीवुड का सबसे अनुशासित और फिट अभिनेता माना जाता है। वह सुबह 4 बजे उठते हैं, रात में 9 बजे तक सो जाते हैं। अक्षय सुबह उठकर जॉगिंग करने के बाद अष्टांग योग, सूर्य नमस्कार, प्राणायाम और ध्यान नियमित रूप से करते हैं। उनका मानना है कि योग शरीर को भीतर से मजबूत बनाता है और उम्र बढ़ने के बावजूद ऊर्जा बनाए रखता है। उनकी फुर्ती का सबसे बड़ा कारण योग अभ्यास ही है। वह जिन योगासनों को खासतौर से करते हैं, उनमें भुजंगासन, वृक्षासन और अनुलोम-विलोम प्राणायाम शामिल हैं। *

मलाइका अरोड़ा संतुलन बनाने में सहायक योग

50 साल की उम्र पार करने के बाद भी मलाइका अरोड़ा की फिटनेस चर्चा का विषय रहती है। मलाइका नियमित रूप से हठ योग, अष्टांग योग और पावर योग करती हैं। मलाइका अरोड़ा को जो आसन खास तौर पर पसंद हैं, उनमें शीर्षासन, चक्रासन और सूर्य नमस्कार शामिल हैं। मलाइका का मानना है कि योगासन सिर्फ बॉडी को शेप ही नहीं देते बल्कि आपको अनुशासित भी करते हैं। इससे शरीर को संतुलित बनाए रखने में मदद मिलती है। *

करीना कपूर गर्भावस्था में बताई योग की महत्ता

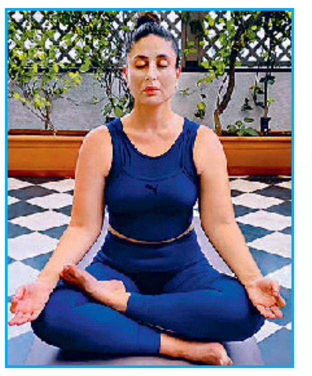

करीना कपूर अपनी गर्भावस्था के दौरान नियमित रूप से योग करती थीं और योग करते हुए उनके वीडियोज सोशल मीडिया में खूब वायरल होते थे। यही कारण है कि उनकी प्रेरणा से अनेक युवतियों ने गर्भावस्था में भी योग करना शुरू किया। करीना कपूर योग के जरिए पोस्ट डिलीवरी फिटनेस आइकन बनीं। वे मुख्य रूप से प्रीनेटल योग, पिलेट्स योग, मिक्स योग और ध्यान करती हैं। उनका कहना है कि योग की वजह से पोस्ट डिलीवरी टाइम में जल्द से जल्द रिकवर करने और अपना बेहतर स्टेमिना पाने में वह सफल रही हैं। करीना कपूर जिन आसनों को खासतौर पर करना पसंद करती हैं, उनमें बृह्दकोण आसन, ताड़ासन, सुखासन और कुछ प्राणायाम हैं। *

टाइगर श्रॉफ मार्शल आर्ट्स के साथ योगाभ्यास

सबसे लचीली और चुस्त-दुरुस्त बॉडी वाले नई पीढ़ी के एक्टर्स में टाइगर श्रॉफ भी शामिल हैं। अपनी जबर्दस्त एथलेटिक बॉडी की वजह से टाइगर बहुत से युवाओं के फिटनेस आइकन हैं। टाइगर श्रॉफ वास्तव में मार्शल आर्ट्स और योग के मिश्रण का अभ्यास अपनी फिटनेस के लिए करते हैं। टाइगर मूलतः स्ट्रेचिंग आधारित आसनों पर जोर देते हैं ताकि उनका शरीर न केवल लचीला बना रहे बल्कि फिल्म की शूटिंग के दौरान लगने वाली चोटों से भी सुरक्षित रहे। टाइगर जो आसन करना पसंद करते हैं, उनमें हनुमान आसन, अधोमुख श्वानासन, वृक्षासन और प्राणायाम प्रमुख हैं। *

अनोखे ढंग से बनाई जाती हैं ये सबसे महंगी कॉफियां

{ रोचक
रजनी अरोड़ा }

कॉफी तो आप अकसर पीते ही होंगे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कॉफी की कुछ वैरायटीज की कीमत हजारों रुपए किलो तक होती है? अगर आप भी कॉफी-लवर हैं, तो दुनिया की इन चुनिंदा महंगी कॉफियों के बारे में जरूर जानना चाहेंगे।

इसमें कोई दो राय नहीं कि जब सुस्ती या थकान महसूस हो रही हो तब एक कप गर्मा-गर्म कॉफी एनर्जी-बूस्टर का काम करती है। आज दुनिया भर में कॉफी की ढेरों वैरायटीज उपलब्ध हैं। कई अलग-अलग तरीकों से तैयार की जाने वाली इन कॉफियों के स्वाद ही नहीं, कीमतों में भी विविधता देखने को मिलती है। कॉफी की कुछ वैरायटीज की कीमत तो आसमान छूती है, फिर भी कॉफी-लवर इन्हें बड़े चाव से पीते हैं। दरअसल, इन कॉफी को बेशकीमती बनाती हैं इनकी प्रोसेसिंग यानी बनाने के अजीबो-गरीब तरीके। इनमें से कुछ के बारे में जानिए।

कोपी लुवाक या सिवेट कॉफी: इंडोनेशिया की पहचान है यह कॉफी। इस कॉफी को एशियन पाम सिवेट यानी लुवाक बिल्ली को खिलाकर प्रोसेस किया जाता है। सिवेट को पूरी तरह पकी हुई और मीठी कॉफी बींस खिलाए जाते हैं। उसकी आंतों के पाचक

एंजाइम्स, बींस के गूदे को पचा लेते हैं और बीजों को फर्मेंट करके उनकी कड़वाहट कम कर देते हैं। बीज डाइजेस्ट न हो पाने के कारण मल के जरिए बाहर निकल जाते हैं। फिर इन बीजों को साफ कर सुखाया जाता है। फिर रोस्ट कर कॉफी बनाई जाती है। सिवेट कॉफी, कैरेमल और चॉकलेट फ्लेवर की होती है। यह कॉफी करीब एक लाख रुपए प्रति किलो कीमत में बिकती है।

फिंका एल इंजेर्तो: ग्वाटेमाला में मिलने वाली यह कॉफी अपनी प्रीमियम क्वालिटी के लिए मशहूर है। इसके लिए पीबेरी कॉफी बींस का उपयोग किया जाता है, जिसकी खेती बहुत सीमित मात्रा में होती है। बींस को नियंत्रित फर्मेंटेशन और प्राकृतिक रूप से धूप में सुखाया जाता है। छोटे-छोटे बैच में हल्का रोस्ट कर कॉफी तैयार की जाती है। फूलों जैसी सुगंध और वाइन सरीखे स्वाद वाली यह कॉफी लग्जरी कॉफी कॉम्पिटिशन में कई बार हाई रैंक पा चुकी है। यह कॉफी करीब 90 हजार रुपए प्रति किलो में बिकती है।

ब्लैक आइवरी: थाइलैंड में मशहूर इस कॉफी को बनाने के लिए हाथियों की मदद ली जाती है। हाथी पकी हुई अरेबिका कॉफी बींस खाते हैं, जिन्हें वे पाचन क्रिया

धीमी होने की वजह से ठीक तरह से पचा नहीं पाते। उनके मल से बीजों को इकट्ठा करके कॉफी बनाई जाती है। यह कॉफी चॉकलेटी हल्की मिठास लिए होती है और इसमें कड़वाहट न के बराबर होती है। ब्लैक आइवरी कॉफी की कीमत करीब 80 हजार रुपए प्रति किलो होती है।

सेंट हेलेना: यह कॉफी अटलांटिक महासागर के मध्य में बसे सेंट हेलेना नामक छोटे-से द्वीप में उगाई जाती है। यह कॉफी दुर्लभ हरे बॉर्बन बीजों को प्राकृतिक तौर

पर हवा में सुखाकर और हल्का रोस्ट करके बनाई जाती है। इस कॉफी का स्वाद हल्का खट्टा, मसालेदार और वाइन जैसा होता है। सदियों पहले इटली के राजा नेपोलियन के समय में भी इसके प्रमाण मिलते हैं। आज इसकी कीमत करीब 70 हजार रुपए प्रति किलो है। *

अब क्यों नहीं दिखती फुदकती-चहकती गौरैया

{ चिंता
के.पी. सिंह }

साल 2010 में भारत के पर्यावरण कार्यकर्ता मोहम्मद दिलावर और उनकी संस्था 'नेचर फॉर एवर सोसायटी' ने जब यह देखा कि देश में पाई जाने वाली घरेलू चिड़िया यानी गौरैया तेजी से कम हो रही है, तो उन्होंने दुनिया के पर्यावरण विशेषज्ञों का ध्यान इस ओर खींचने के लिए 20 मार्च 2010 को गौरैया दिवस मनाने की घोषणा की। बाद में उनकी पहल को पर्यावरण और पारिस्थितिकी विशेषज्ञों द्वारा सराहा गया। फ्रांस की वन्यजीव संस्था 'ईको-से-फाउंडेशन' ने भी बढ़-चढ़कर सहयोग दिया। तब से 20 मार्च को विश्व गौरैया दिवस दुनिया के 50 से ज्यादा देशों में मनाया जाता है।

पर्यावरण के लिए चिंताजनक: वास्तव में गौरैया एक इंडीकेटर स्पेसीज है। इंडीकेटर स्पेसीज उन जंतु प्रजातियों को कहते हैं, जिनके कम होने या संकटग्रस्त होने का मतलब होता है कि इंसानों की दुनिया में भी संकट आने वाला है। गौरैया की संख्या का घटना गंभीर पर्यावरण-पारिस्थितिकी की निशानी होती है। गौरैया, इंसानी समाज के लिए विशेषकर कृषि आधारित समाजों के लिए इसलिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि उसका बेसिक यानी बुनियादी भोजन कीट है। जब गौरैया की संख्या अच्छी खासी होती है, तो खेती में लगने वाले कीटों की समस्या नहीं रहती। क्योंकि गौरैया कृषि वातावरण से सारे कीटों को चट कर जाती है।

संख्या में हुई भारी कमी: विशेषज्ञों के अध्ययन से पता लगा कि भारत के शहरी क्षेत्रों में गौरैया की संख्या में 60 से 80 फीसदी तक की कमी हो गई है। सबसे ज्यादा यह कमी दिल्ली, बेंग्लुरु और मुंबई में देखने को मिली। इसी कारण साल 2012 में दिल्ली सरकार ने गौरैया को राज्य पक्षी घोषित किया। जहां तक इनकी संख्या में लगातार कमी होने की वजहों का सवाल है तो पिछली सदी के 80 और 90 के दशक तथा इस सदी के शुरुआती दशकों में जिस तरह से भारत में शहरीकरण का विस्तार हुआ है और कंकरीट के जंगल बढ़े हैं, उसके चलते गौरैया के आवास की सबसे बड़ी समस्या उठ खड़ी हुई है। इसके बाद हाल के दशकों में बेशुमार मोबाइल टावर से निकलने वाली विकिरणों को भी गौरैया की संख्या में कमी का कारण माना जा रहा है। हालांकि इस संबंध में वैज्ञानिक रूप से पुष्टि नहीं हुई है। इनके अलावा बढ़ता प्रदूषण, कीटनाशकों का अधिक इस्तेमाल भी इनकी घटती संख्या के लिए जिम्मेदार हैं।

लोगों में बढ़ी सजगता: जब से गौरैया दिवस मनाया जाना शुरू हुआ है, आम शहरी लोग गौरैया के महत्व को समझने लगे हैं और उसके संरक्षण के लिए जो कुछ हो सकता है, करने का प्रयास भी करने लगे हैं। आप भी अपनी बालकनी या छत पर कटोरी में अनाज के दाने और पानी की प्याली रख सकते हैं। गार्डन में झुरमुट वाले पौधे लगा सकते हैं। *

{ जागरूकता
अंजू जैन }

हमें जीवनदायी ऑक्सीजन और अनेक उपयोगी वस्तुएं प्रदान करने वाले वन, किसी अनमोल खजाने से कम नहीं हैं। इसलिए हमें इनके संरक्षण के प्रयास करने चाहिए।

प्रकृति का अनमोल खजाना वन

आपने क्या कभी सोचा है, अगर जंगल न होते तो हमारी दुनिया कैसी होती? जंगल सिर्फ पेड़ों का समूह भर नहीं होते हैं, बल्कि वे धरती के 'फेफड़े' जैसे होते हैं, जो हमें सांस लेने के लिए स्वच्छ हवा देते हैं। वनों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से ही हर साल 21 मार्च को अंतरराष्ट्रीय वन दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष के लिए इस विशेष दिन की थीम 'वन और अर्थव्यवस्थाएं' निश्चित की गई है।

वन दिवस की शुरुआत: पिछली सदी में विश्व वन दिवस की शुरुआत का विचार आया। सबसे पहले वर्ष 1971 में यूरोपीय कृषि संघ की बैठक में इसे मनाने का विचार पेश किया गया था। बाद में 28 नवंबर 2012 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने एक प्रस्ताव पारित किया और हर साल 21 मार्च को आधिकारिक रूप से वन दिवस मनाने की घोषणा की। पहला अंतरराष्ट्रीय वन दिवस 21 मार्च 2013 को मनाया गया था।

इस वर्ष की थीम: इस वर्ष वन दिवस की थीम 'वन और अर्थव्यवस्थाएं', अर्थव्यवस्था में वनों के योगदान को रेखांकित करती है। जंगल न केवल पर्यावरण के लिए जरूरी हैं, बल्कि वे हमारे देश और दुनिया की अर्थव्यवस्था चलाने में भी बहुत मदद करते हैं। दुनिया भर में लाखों लोग वनों से जुड़े कामों, जैसे वन प्रबंधन, पर्यटन और शोध के जरिए अपनी आजीविका कमाते हैं। हमें जंगलों से लकड़ी, कागज, गोंद, फल और औषधियां मिलती हैं, जिन्हें बेचकर बड़ी संख्या में लोग अपना जीवनयापन करते हैं। जंगल का ईकोसिस्टम, जीव जंतु मिट्टी को उपजाऊ बनाए रखता है और वर्षा लाने में मदद करता है, जिससे हमारी खेती अच्छी होती है। इससे खाद्य पदार्थों की आपूर्ति तो होती ही है, कृषि अर्थव्यवस्था को भी बल मिलता है।

हम सभी के लिए आवश्यक: जंगल में लगे घने पेड़-पौधों का संजाल बाढ़ और सूखे जैसी प्राकृतिक आपदाओं से हमारी रक्षा करता है। अनगिनत पशु-पक्षी और कीड़े-मकोड़े जंगलों में ही रहते हैं। ये पशु-पक्षी, पृथ्वी और मानव समाज के लिए बेहद जरूरी और उपयोगी हैं। पेड़ धरती को ठंडा रखने में मदद करते हैं और ग्लोबल वार्मिंग को कम करते हैं।

हम समझें अपना दायित्व: हम सभी की लापरवाही और स्वार्थी स्वभाव के कारण विकास के नाम पर विनाश हो रहा है और जंगलों की बेतहाशा कटाई हो रही है। यह स्थिति हमारी पृथ्वी के लिए खतरनाक है। ऐसे में हम सभी छोटे-छोटे प्रयासों से भी जंगलों को बचाने में मदद कर सकते हैं। जैसे- आपको पता है कि कागज पेड़ों से बनता है, इसलिए इसे बर्बाद न करें। हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाने का प्रयास करना चाहिए। अपने जन्मदिन या किसी खास मौके पर कम से कम एक पौधा जरूर लगाएं। बच्चों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करें। वन और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपने मित्र, रिश्तेदारों और परिचितों को जागरूक करें। उन्हें बताएं कि जंगल हमारे लिए कितने कीमती हैं। याद रखिए, जब जंगल सुरक्षित रहेंगे, तभी हमारा भविष्य भी सुरक्षित और समृद्ध रहेगा। *

{ पर्यटन स्थल
समीर चौधरी }

आपको रोमांच से भर देगा रिवर्स वाटरफॉल का नजारा

किसी पहाड़ की ऊंचाई से गिरता हुआ झरना बहुत ही मनोरम लगता है। लेकिन अगर आप उल्टे झरने का नजारा देखना चाहते हैं तो मानसून के दौरान महाराष्ट्र के कुछ खास स्थलों की यात्रा कर सकते हैं।

आपने पहाड़ों की ऊंचाई से गिरने वाला वाटरफॉल यानी झरना तो जरूर देखा होगा। लेकिन क्या आपने रिवर्स वाटरफॉल यानी झरने का पानी नीचे की बजाय ऊपर की तरफ जाते हुए देखा है? अगर नहीं तो मानसून के दौरान महाराष्ट्र के कुछ खास स्थलों की यात्रा कर सकते हैं। यहां आपको मंत्रमुग्ध करने वाला नजारा दिख जाएगा।

होता है अनोखा एहसास: रिवर्स झरना एक ऐसा नजारा है, जिसे देखकर लगता है कि एक नई दुनिया आपके सामने खुल गई है। महाराष्ट्र में रिवर्स वाटरफॉल की यह प्राकृतिक घटना, पर्यटकों को आश्चर्य में डाल देती है। इसमें पानी नीचे नहीं गिरता है बल्कि वापस उल्टा हवा में उड़ता है। पानी नीचे गिरने की बजाय हवा के बल से वापस आसमान की तरफ जाने लगता है, धुंध की तरह बिखरता हुआ। एक सामान्य झरना ऐसे दृश्य में बदल जाता है, जो तीव्र, अविश्वसनीय और लगभग जादुई-सा प्रतीत होती है। ऊपर की तरफ का यह नेचुरल स्प्रे, सिनेमाई नजारा उत्पन्न करता है और ऐसा प्रतीत होता है, जैसे प्रकृति गुरुत्वाकर्षण के नियमों को बदल रही है। इस अद्भुत नजारे के दीदार के साथ-साथ आस-पास की सुंदर जगहों की सैर और स्थानीय भोजन का स्वाद आपकी यात्रा को और यादगार बना देगा।

कुछ दिनों तक दिखता है: रिवर्स वाटरफॉल का यह अनोखा नजारा मानसून के कुछ खास दिनों में ही देखने को मिलता है, जब हवाएं शक्तिशाली होती हैं और पानी को नीचे की बजाय ऊपर की तरफ धकेलती हैं। यह रिवर्स वाटरफॉल अमूमन जून से अगस्त के बीच में देखने को मिलते हैं, जब मानसून की हवाएं सबसे शक्तिशाली होती हैं। अब आपको चार ऐसी जगहों के बारे में बताते हैं, जहां इस प्राकृतिक नजारे का अनुभव किया जा सकता है।

पश्चिमी घाट में स्थित नानेघाट: नानेघाट पास (नानेघाट दर्रा), जुन्नार के निकट पश्चिमी घाटों में स्थित है और मानसून के दिनों में रिवर्स वाटर फॉल का अदभुत नजारा प्रस्तुत करता है। नानेघाट से निकटतम रेलवे स्टेशन कल्याण जंक्शन है, जहां से आप टैक्सी या बस से जुन्नार जा सकते हैं और फिर नानेघाट की तरफ बढ़ सकते हैं। अगर सड़क की बात करें तो अनेक मार्गों से यह बहुत अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। पुणे से आप बस या कैब से जुन्नार पहुंच सकते हैं। यह दूरी लगभग 95 किमी. है। मुंबई से जाना चाहते हैं तो मुंबई-नासिक हाईवे (एनएच-3) या मुंबई-आगरा हाईवे (एनएच-61) पर सफर किया जा सकता है।

सघन घाटी में स्थित समराद गांव: गजब की सघन घाटी में समुद्र की सतह से 2000 फीट की ऊंचाई पर स्थित समराद गांव भी मानसून में उल्टे झरने का ऐसा अनुभव कराता है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। इस गांव तक पहुंचने के लिए आप मुंबई या पुणे से सड़क मार्ग का उपयोग कर सकते हैं। दोनों जगहों से यह लगभग चार से पांच घंटे की ड्राइव के फासले पर है। पूरी सड़क यात्रा के दौरान भी सुंदर नजारों वाले दृश्य आप देख सकते हैं।

हरी-भरी पहाड़ियों में स्थित कवलशेत पॉइंट: कवलशेत पॉइंट, अंबोली की हरी-भरी पहाड़ियों में स्थित है, जो गहरी वादियों और अनेक छोटे-छोटे झरनों से घिरा हुआ है। यह पॉइंट मानसून के दौरान विशेष रूप से जादुई बन जाता है, जब तेज हवाएं नीचे गिरते पानी को ऊपर उठाने लगती हैं। कवलशेत पॉइंट पहुंचने के लिए मुंबई-गोवा हाईवे पर सावंत वादी की तरफ यात्रा करें। वहां से अंबोली की तरफ चलना होगा, जोकि लगभग 30 किमी. की दूरी पर स्थित है। अंबोली टाउन से कवलशेत पॉइंट पास में ही है।

हनुमान जी की जन्मस्थली अंजनेरी: नासिक से मात्र 20 किमी. की दूरी पर स्थित अंजनेरी में भी रिवर्स वाटरफॉल का शानदार नजारा देखने को मिलता है। अंजनेरी का बहुत अधिक धार्मिक व ऐतिहासिक महत्व भी है क्योंकि मान्यता है कि यह भगवान श्री हनुमान जी की जन्मस्थली है और इस जगह का नाम उनकी मां अंजनी के नाम पर पड़ा है।

अंजनेरी पहुंचने के लिए यहां से निकटतम रेलवे स्टेशन नासिक है, जहां से इस गांव के लिए टैक्सी ले सकते हैं। अगर सड़क से जाना है तो कैब या बस से नासिक रोड से त्र्यंबकेश्वर की तरफ चलें और फिर त्र्यंबकेश्वर-अंजनेरी सड़क पर यात्रा करनी होगी। *

इन बातों का रखें ध्यान

अगर कुछ महीने बाद आने वाले मानसून के दौरान आप रिवर्स वाटरफॉल देखने प्लानिंग बना रहे हैं तो कुछ बातों का अवश्य ध्यान रखें-

- उचित प्रकार के जूते-कपड़े लेकर जाएं क्योंकि मानसून में यहां के रास्ते फिसलन भरे हो सकते हैं।
- निर्धारित रूट पर ही यात्रा करें। जाने से पूर्व मौसम की जानकारी हासिल कर लें।
- अपने साथ पीने का पानी, सूखे स्नैक्स और बेसिक फर्स्ट एड किट रखें।
- स्थानीय गाइड की मदद ले सकते हैं। वे सही जानकारी देंगे और सुरक्षित अनुभव सुनिश्चित करेंगे।